तापमान

अधिकतम 30.6 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि इस्पात भूमि

रायपुर, शनिवार 4 जुलाई 2026

10 कम बारिश से पिछड़ी बोनी, 40 हजार हेक्टेयर...

11 नकटी गांव में गरीबों का आशियाना उजाड़ने ...

बीएसपी में लोहा चोरी के मामले में साईं एसोसिएट्स को ब्लैकलिस्ट करने की तैयारी

स्क्रैप यार्ड में अनलोडिंग का ठेका था कंपनी के पास, सुपरवाइजर 5 हजार रुपए में ट्रकों में लोड करवाता था लोहे का स्क्रैप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के बहुचर्चित करोड़ों रुपये के लोहा चोरी कांड में बीएसपी प्रबंधन ने भी कड़ा रुख लेना शुरू कर दिया है। बीएसपी ने एसएमएस 3 स्क्रैप यार्ड में स्क्रैप अनलोडिंग, रखरखाव और क्रेन मेंटिनेंस का काम देखने वाली ठेका कंपनी साईं एसोसिएट्स को ब्लैकलिस्ट करने का निर्णय लिया है। इस कंपनी के सुपरवाइजर सहित दो से तीन कर्मचारी जेल में हैं।

बीएसपी प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक साईं एसोसिएट्स के पास बीएसपी के एसएमएस-3 स्क्रैप यार्ड में स्क्रैप अनलोडिंग, यार्ड के रखरखाव और क्रेन मेंटेनेंस का ठेका था। उसे यह ठेका 2025 में मिला था, जो कि 2028 में समाप्त होता, लेकिन लोहा चोरी में उसके सुपरवाइजर घनश्याम गुप्ता के गिरफ्तार होने के बाद बीएसपी ने उसे बीच में ही ब्लैकलिस्ट कर दिया है। इसके साथ ही बीएसपी इस कंपनी पर बड़ा जुर्माना भी लगाने वाली है।

बीएसपी की सुरक्षा में सेंध...

बीएसपी में स्क्रैप चोरी मामला

हरिभूमि पड़ताल

इस पूरे मामले में साजिशकर्ता तक पहुंचेगी पुलिस

स्क्रैप चोरी के 13 आरोपियों के पास मिली 10 करोड़ की संपत्ति, 25 से ज्यादा खाते फ्रीज

आरोपियों से पुलिस लगातार कर रही पूछताछ

प्लांट में तीन बार चोरी करते पकड़े जाने के बाद भी सरगना की एंट्री कैसे

बीएसपी के अधिकारी और सीआईएसएफ की भूमिका संदिग्ध

सालों से बीएसपी के अंदर संचालित संजय सिंह का अवैध कार्यालय, मिली फर्जी नंबर प्लेट

हर दिन पुलिस हाथ बढ़ रहे सफेदपोश सहयोगियों की तरफ

5 हजार रुपए लेकर गाड़ी लोड होता था स्क्रैप

साईं एसोसिएट्स कंपनी के पास एसएमएस 3 स्क्रैप यार्ड के रखरखाव, स्क्रैप अनलोडिंग और क्रेन सर्विस का ठेका था। कंपनी के सुपरवाइजर घनश्याम गुप्ता ने संजय सिंह और अन्य लोहा चोरों का साथ दिया। वो 5 हजार रुपए लेकर फ्लू डस्ट से भरे ट्रक और हाइवा में लोहे का स्क्रैप लोड करता था। इसके बाद उस स्क्रैप को डस्ट के नीचे दबाकर प्लांच के बाहर लेजाकर बेंच दिया जाता था। बीएसपी के बिजलेंस डिपार्टमेंट की जांच में साईं एसोसिएट्स कंपनी के सुपरवाइजर ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। इसके बाद दुर्ग पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

एसएमएस 3 एरिया में थी कमजोर सुरक्षा व्यवस्था

जिस एसएमएस 3 यार्ड से लोहा की चोरी की जाती थी वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं थे। सीआईएसएफ ने अपनी जांच में बताया है कि आरोपी चोरी के लिए प्लांट के एसएमएस-3 क्षेत्र का इस्तेमाल करते थे। यह एक ऐसा इलाका है जहां न तो सीआईएसएफ की नियमित तैनाती रहती थी और न ही सीसीटीवी कैमरे लगे थे। इसी का फायदा उठाकर शातिर चोर वहां गाड़ियों में लोहा लोड करते थे। चोर पहले तौलकांटे (वेब्रिज) पर सीआईएसएफ जवानों की मौजूदगी में ट्रकों में सिर्फ फ्लाई-ऐश या फ्लू डस्ट' (राखड़) भरवाते थे और वजन दर्ज करा लेते थे। इसके बाद गाड़ी खराब होने या तकनीकी खराबी का बहाना बनाकर ट्रक को रोक लेते थे और चुपके से एसएमएस-3 एरिया में ले जाकर उसमें भारी मात्रा में कीमती लोहा भर देते थे। चूंकि वजन पहले ही दर्ज हो चुका होता था, इसलिए बिना दोबारा तौल के गाड़ियां सीधे एग्जिट गेट से बाहर निकल जाती थीं।

पुलिस रिमांड में बड़े राजनेताओं और गैंगस्टर्स के नाम उजागर

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपियों ने भिलाई और आसपास के कुछ बड़े ट्रांसपोर्टर्स, स्थानीय राजनेताओं और गैंगस्टर्स के नामों का भी खुलासा किया है, जो इस सिंडिकेट को पीछे से संरक्षण दे रहे थे। पुलिस अब इन सफेदपोशों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी में है। पुलिस ने इस गिरोह के पास से चोरी का लोहा वह उससे की अवैध कमाई से अर्जित की गई 3.50 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति, जिसमें हाइवा ट्रक, क्रेन, करीब 50 लाख रुपये के सोने के आभूषण और बैंक लॉकर्स के अहम दस्तावेज शामिल हैं, उन्हें जब्त व सील कर दिया है।

ये 13 आरोपी हैं सलाखों के पीछे

- संजय सिंह (मुख्य आरोपी और ट्रांसपोर्टर)
- अभय सिंह (संजय सिंह का पुत्र)
- उपेंद्र ओझा (मुख्य सहयोगी)
- घनश्याम गुप्ता (साईं एसोसिएट्स का सुपरवाइजर)
- आकाश कुमार सिंह (उम्र 29 वर्ष, हाउसिंग बोर्ड जामुल निवासी)
- अमित शर्मा उर्फ कैलाश शर्मा (उम्र 45 वर्ष, सेक्टर-2 भिलाई निवासी)
- इंद्र कुमार पटेल (उम्र 26 वर्ष, क्रेन ऑपरेटर, छावनी मंगल बाजार निवासी)
- मदन साहू (उम्र 24 वर्ष, डुमरडीह उतई निवासी)
- चिंतन साहू
- जितेश वर्मा
- मिथेन साहू
- निर्मल सिंह
- तेजराम निषाद उर्फ दद्दू (उम्र 35 वर्ष, जेवरा-सिरसा निवासी, गिरफ्तार 13वां आरोपी)

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कोर्ट के आदेश की अवहेलना पर 12 बैंकों को भेजा नोटिस

दुर्ग। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दुर्ग के न्यायालय द्वारा साइबर अपराध के एक प्रकरण में महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए 12 बैंकों को न्यायालयीन आदेश की अवहेलना के संबंध में कारण बताओ, अवमानना नोटिस जारी किया गया है। प्रकरण में साइबर थाना दुर्ग द्वारा न्यायालय के समक्ष विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें अवगत कराया गया कि न्यायालय के आदेश के पालन हेतु संबंधित बैंकों को आवेदक की फ्रीज की गई राशि वापस करने के लिए आवश्यक निर्देश एवं ई-मेल प्रेषित किए गए थे। प्रतिवेदन के अनुसार कुछ बैंकों द्वारा आदेश का पालन किया गया, जबकि 12 बैंकों द्वारा न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया गया। साइबर थाना द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं उपलब्ध अभिलेखों का परीक्षण करने के पश्चात माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, दुर्ग ने प्रथम दृष्टया न्यायालयीन आदेश की अवहेलना पाए जाने पर संबंधित 12 बैंकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्धारित अवधि में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिक मामला करीब 15.91 लाख के साइबर फ्रॉड का है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संबंधित बैंक संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं करते हैं अथवा न्यायालय के आदेश का पालन नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध विधि के अनुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

खबर संक्षेप

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर कल

भिलाई। 5 जुलाई को दोपहर 12 से 1 बजे तक सतनाम भवन सेक्टर-6 भिलाई में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है। निःशुल्क चिकित्सा परामर्श सेवाएं देने के लिए स्पेस्लिस्ट डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। एन आर गिलहरे ने बताया कि डॉ. जीवन लाल घीड़ले पेट, लीवर रोग विशेषज्ञ सेक्टर-9, डॉ. एडी बनर्जी छाती रोग विशेषज्ञ सेक्टर-9, डॉ. संगीता पात्रे प्रसूति, स्त्री रोग, निः संतानता विशेषज्ञ, डॉ. रितु कुर्रे चर्म रोग विशेषज्ञ निःशुल्क चिकित्सा परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगे।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। अवैध शराब के साथ पुलिस ने युवक लको गिरफ्तार किया है। उतई पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बिजली कार्यालय के पीछे अवैध शराब बेचने वाले मीलपारा, उतई निवासी देवराज यादव को दबिश देकर पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने प्लास्टिक थैले में रखे 30 पौवा देशी प्लेन शराब (5.4 बल्क लीटर) तीन हजार रुपए का जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

चोरी करने वाली नौकरानी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

भिलाई। मकान मालिक के घर में चोरी करने वाली नौकरानी और उसके प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि सूर्य विहार कालोनी जुनवानी निवासी रोहन कुखरानिया वृद्ध माता की देखरेख के लिए ममता चौहान को दो वर्षों से अपने घर में केयरटेकर के रूप में काम पर रखा गया था। 26 -27 जून को घर में शादी कार्यक्रम होने से परिवार के सदस्य व्यस्त थे। तभी मौका मिलने पर अलमारी में रखे नगदी राशि चोरी कर नौकरनी फरार हो गई। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपीया के मोबाइल नंबर का तकनीकी जांच कर उसकी लोकेशन प्राप्त किया। प्रेमी और नौकरानी को पकड़ा गया। पूछताछ में सारागांव, जिला रायपुर निवासी प्रेमी शीतल वर्मा द्वारा पैसों की आवश्यकता होने पर चोरी किया। आरोपिया पिथौरा, जिला महासमुंद निवासी ममता चौहान ने अपने प्रेमी के साथ चोरी करना स्वीकार किया। उनके पास से पुलिस ने नगदी 23,500 और दो मोबाइल फोन जब्त किया है।

प्रापर्टी डीलर पर चाकू से हमला, अपराध दर्ज

भिलाई। पुरानी रंजिश के चलते प्राणघातक हमला करने वाले तीन युवकों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि खुर्सीपार निवासी योगेश सूर्यवंशी प्रापर्टी डिलर का काम करता है। 2 जुलाई रात 11.30 बजे सेक्टर 6 पुलिस पट्रोल पंप से अपनी वाहन में पेट्रोल डलाकर रिसाली डीपीएस चौक तरफ लौट रहा था। तभी पीछे से पल्सर बाइक में आ रहे युवकों ने सिर में बेस बॉल के डण्डे से हमला कर दिया। लडखाराकर डीपीएस स्कूल गेट 1 के पास पहुंचा था। तभी दोबारा बाइक सवार ने चक्के मे डंडा को फंसा दिया। जिससे पीड़ित वाहन समेत जमीन पर गिर पड़ा। तभी हरीश यादव ने धारदार वस्तु से गले के पास वार किया। उसके बाद अमन मुर्ति, प्रखर चंद्राकर ने हाथ मे बटनदार चाकु, कटर से वार कर फरार हो गए। पीड़ित के गर्दन पर प्रखर चंद्राकर ने दोनो पैर मे 8-10 बार वार किया। राहगीरों के भीड़ होने से तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित स्कूटी वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया। जहां योगेश की स्थिति गंभीर होने से आईसीयू दाखिल कराया गया। बहरहाल मामले में पुलिस की विवेचना जारी है।

विवादों में घिरे जिला ब्लड बैंक प्रभारी संविदा डॉ. जेपी मेश्राम ने छोड़ी नौकरी ?

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

जिला ब्लड बैंक में संविदा के रूप में पदस्थ डॉ. जेपी मेश्राम की नौकरी छोड़ने की खबर है। डॉ. मेश्राम ब्लड बैंक प्रभारी रहे हैं। उनकी रायपुर स्थित एक पैथालॉजी में ज्वाइनिंग कर लेने की चर्चा है। स्टेशन मरोदा निवासी सिकलिंग पीड़िता 22 वर्षीय दीपिका गाड़ा की मौत मामले में ब्लड बैंक प्रभारी को भी जांच कमेटी ने आरोपी बनाया था। हालांकि उन पर कार्रवाई की अनुशंसा नहीं की गई है लेकिन ब्लड बैंक प्रभारी होने की वजह से उन पर भी कार्रवाई की तलवार लटक रही थी। जिस दिन दीपिका की मौत हुई थी सोशल मीडिया ने जब उनसे सवाल पूछा था तो उन्होने इसे सामान्य घटना कह दिया था। वहीं सिविल सर्जन डॉ. एके मिंज ने जब उनसे प्रारंभिक जानकारी मांगी तो कह दिया था कि मृतिका दीपिका के यहां से कोई परिजन ब्लड बैंक ब्लड मांगने नहीं आया था।

जिला अस्पताल में तीन दिन से अवकाश और उधर रायपुर के एक पैथॉलाजी में ज्वाइनिंग की खबर

ब्लड बैंक में चल रहा है डॉ. मेश्राम का अवकाश

सूत्रों के मुताबिक संविदा ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. मेश्राम तीन दिन से जिला ब्लड बैंक में नहीं आ रहे हैं। जिला अस्पताल प्रबंधन को अवकाश की सूचना दी है। लिखित तौर पर नौकरी छोड़ने विधिवत इस्तीफा अभी नहीं दिया है। इसलिए अस्पताल प्रबंधन भी अवकाश मान रहा है। इधर डॉ. मेश्राम से जुड़े चिकित्सकों का कहना है कि वे रायपुर स्थित एक लैब में ज्वाइनिंग कर चुके हैं और बकायदा सेवाएं भी दे रहे हैं।

स्वास्थ्य संगठनों ने राज्य स्तरीय जांच की कि हैं मांग

सिकलिंग पीड़िता दीपिका की मौत मामले में जिला स्तर पर चार संविदा व एनएचएम कर्मियों पर कार्रवाई की गई है। ये चारों बर्खास्त कर दिए गए हैं। बर्खास्तगी के विरोध में स्वास्थ्य संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन इन कर्मियों की बहाली की मांग के साथ यह भी मांग की है कि इस मामले की जांच राज्य स्तर से करवाई जाए। यानी इस मामले में केवल कर्मियों को ही नहीं बल्कि डॉक्टरों को भी दोषी माना जा रहा है।

नहीं मिला इस्तीफा

ब्लड बैंक संविदा डॉ. जेपी मेश्राम की नौकरी छोड़ने की खबर जरूर है लेकिन विधिवत इस्तीफा उनका नहीं आया है। अवकाश की सूचना उन्होने दी थी इसलिए हम अवकाश ही मानकर चल रहे हैं।

-डॉ. एके मिंज,
सिविल सर्जन

पिछले साल वर्ष 2025 में 53.27% के मुकाबले इस बार केवल 25.57% क्षेत्र में बुआई

कम बारिश से पिछड़ी बोनी, 40 हजार हेक्टेयर रकबा में बुआई कम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

जिले में मानसून की धीमी रफ्तार और जून के अंतिम सप्ताह तक पर्याप्त बारिश नहीं होने का असर खरीफ सीजन पर साफ दिखाई दे रहा है। कृषि विभाग की 2 जुलाई अनुसार जिले में अब तक केवल 37.818 हजार हेक्टेयर में बोनी हो सकी है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक 78.216 हजार हेक्टेयर में बुआई पूरी हो चुकी थी। यानी एक साल में बोनी का रकबा लगभग 40.40 हजार हेक्टेयर कम है। कुल खरीफ लक्ष्य 147.920 हजार हेक्टेयर के मुकाबले इस वर्ष केवल 25.57 प्रतिशत क्षेत्र में बोनी हुई है, जबकि पिछले वर्ष 2 जुलाई तक यह आंकड़ा 53.27 प्रतिशत पहुंच गया था। मानसून के देर से सक्रिय होने और वर्षा की कमी के कारण किसान धान की रोपा पद्धति में पीछे हैं। छत्तीसगढ़ में मानसून का विस्तार भी जून के अंतिम सप्ताह में ही हुआ, जिससे शुरुआती कृषि गतिविधियां प्रभावित हुईं।

खास खबर

1.12 लाख किसानों की निगाहें आसमान पर

जिले में 1.12 लाख किसान हैं। ये किसान हर दिन आसमान की ओर टकटकी लगाएं हुए हैं कि आज अच्छी बारिश होगी लेकिन मौसम दगा दे रहा है। पिछले तीन दिन से आसमान पर बादल छाए हुए हैं। कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो रही है वह भी कुछ देर में थम जाती है। मौसम विभाग हर दिन मानसूनी बारिश होने का अनुमान जाहिर कर रहा है लेकिन हवाओं का रूख दुर्ग जिले की तरफ आकर भी गायब हो जा रहा है। हालात बेहद चिंताजनक है। किसानों ने बताया कि वर्ष 2024 में भी इसी तरह शुरूआती दौर में बारिश नहीं हुई थी लेकिन बाद में स्थिति संभल गई।

कृषि विशेषज्ञों की राय-

कृषि विभाग वैज्ञानिक विजय जैन व उपसंचालक संदीप कुमार भोई का मानना है कि अगले 7-10 दिनों में अच्छी बारिश होने पर धान की बोनी तेजी पकड़ सकती है। लेकिन यदि वर्षा की कमी बनी रही तो किसान देर से बोई जाने वाली धान किस्मों के बजाय सोयाबीन, तिल, अरहर और अन्य वैकल्पिक फसलों की ओर रुख कर सकते हैं। दलहनी फसल लेने वाले किसानों को 15 हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।

खेती-किसानी की स्थिति

कुल बोनी (हजार हे.)	2 जुलाई 2025	2 जुलाई 2026
	78.216	37.818
कुल बोनी प्रतिशत में)	53.27	25.57
धान क्षेत्र (हजार हे.)	74.456	37.622
कतार बोनी (हजार हे.)	7.969	7.399

धान की बोनी में सबसे बड़ी गिरावट

दुर्ग जिले में धान का कुल लक्ष्य 134.50 हजार हेक्टेयर है। पिछले वर्ष 2 जुलाई तक 74.456 हजार हेक्टेयर में धान संबंधी कार्य हो चुके थे, जबकि इस बार यह आंकड़ा घटकर 37.622 हजार हेक्टेयर रह गया है। इसी तरह रोपाई में 5.200 हजार हेक्टेयर से घटकर 0.044 हजार हेक्टेयर तक हुआ है। बोता पद्धति में 61.250 हजार हेक्टेयर से घटकर 30.179 हजार हेक्टेयर तक हो पाया है। नर्सरी की स्थिति यह है कि पिछले साल यानी वर्ष 2025 में 1.928 हजार हेक्टेयर से घटकर इस बार 0.990 हजार हेक्टेयर तक हो गया है।

कतार बोनी में बढ़ी रुचि

जिले में किसानों ने इस बार कतार बोनी की तरफ ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। धान की कतार बोनी इस वर्ष 67.24 प्रतिशत लक्ष्य तक पहुंच चुकी है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 65.64 प्रतिशत थी। यह संकेत है कि किसान कम नमी की स्थिति में भी बुआई पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

जून में इस बार 62% बारिश कम

मानसूनी बारिश का सीजन 1 मई से शुरू हो जाता है। इस बार 1 मई से 3 जून तक दुर्ग जिले में 62 प्रतिशत बारिश कम हुई है। अब तक केवल 86.6 मिलीमीटर बारिश हो पाई है। जबकि 228.8 मिलीमीटर बारिश सामान्य बारिश की श्रेणी में यहां के लिए है। जिले के 6 वेदर स्टेशन हैं। इनमें वर्षामापक यंत्र लगे हैं जहां से बारिश का रिकार्ड दर्ज किया जाता है। हाल यह है कि इनमें से केवल दो स्टेशनों में ही बारिश दर्ज हो पाई है। अब तक पाटन में सबसे ज्यादा 21.4 मिलीमीटर बारिश हुई है। दुर्ग में 4.2 मिलीमीटर बारिश और भिलाई में महज 0.02 मिलीमीटर बारिश हुई है। शेष बोरी, अहिवारा,धमधा में इतनी बारिश ही नहीं हुई है कि रिकार्ड हो सके। यानी यहां स्थिति शून्य है।

जिला चिकित्सालय में युवती की मौत की हो जांच, कलेक्टर से हुई शिकायत

दुर्ग। कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर ने जिला चिकित्सालय दुर्ग में गंभीर एनीमिया से पीड़ित 22 वर्षीय युवती की उपचार के दौरान हुई मृत्यु को अत्यंत दुखद एवं चिंताजनक बताते हुए पूरे मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने तथा वास्तविक दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि युवती को समय पर रक्त उपलब्ध नहीं कराया गया, जबकि शासन की व्यवस्था के तहत उसे निःशुल्क रक्त मिलना चाहिए था। लगभग 48 घंटे तक रक्त उपलब्ध नहीं होने के कारण उसकी मृत्यु होना स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाता है। यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अस्पताल प्रशासन द्वारा की गई आंतरिक जांच में केवल कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामले को सीमित करने का प्रयास दिखाई देता है, जबकि इस पूरे प्रकरण में वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। यदि जांच अस्पताल प्रशासन स्वयं करेगा तो उसकी निष्पक्षता पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठेंगे। इस संबंध में जिलाधीश को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई कि इस पूरे प्रकरण की जिला प्रशासन के स्तर पर स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाए, वास्तविक दोषियों की जवाबदेही तय की जाए तथा किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को संरक्षण दिए बिना दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक एवं विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर सुशील भारद्वाज, विजय चंद्राकर, गुरदीप भाटिया, आनंद देव ताम्रकार, देव साहू, पोषण साहू, संजय बत्रा, प्रकाश जोशी मौजूद थे।

पंडवानी गायिका तीजन के स्वास्थ्य में गिरावट, आईसीयू से सीसीयू में शिफ्ट

भिलाई । पिछले महीनेभर से एम्स अस्पताल रायपुर में भर्ती प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई के स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है। उनकी हालत गंभीर होने पर सीसीयू में शिफ्ट किया गया है। डाक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य पर सतत निगरानी रखे हुए है। पैरालाइज अटैक के कारण पिछले दो साल से अस्वस्थ चल रहीं अंतरराष्ट्रीय पंडवानी गायिका तीजन बाई को बीपी बढ़ने और यूरिन संबंधी शिकायत पर 27 मई को एम्स में भर्ती कराया गया था। निमोनिया के चलते हालत गंभीर होने पर आईसीयू में उपचार चल रहा था। महीनेभर से उनके स्वास्थ्य में कभी आंशिक सुधार तो कभी गिरावट का दौर जारी है। पारिवारिक और अस्पताल सूत्रों के मुताबिक पिछले दो दिनों से तीजन बाई हालत नाजुक बनी हुई है। हफ्तेभर पूर्व उन्हें हालत अधिक बिगड़ने पर आईसीयू से सीसीयू में शिफ्ट किया गया था। परिजनों ने बताया कि डाक्टर उन्हें खतरे से बाहर लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। लेकिन लंग्स व हार्ट के कमजोर होने से उनकी प्रतिरोधक क्षमता अत्यंत कम हो गई है। अस्पताल में तीजन बाई के परिवार के सदस्य डाक्टरों के लगातार संपर्क में हैं। लोक कलाकारों ने तीजन बाई के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

पेटीएम एजेंट ने किया महिला से ठगी, अपराध दर्ज

भिलाई। खाते से रकम ट्रांसफर कर ठगी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने बताया कि वार्ड 36 गंजपारा दुर्ग निवासी मधु शर्मा ने दुर्ग न्यायालय में परिवाद दायर किया था। जिसमें सेक्टर 3 निवासी पेटीएम एजेंट संत कुमार पात्रे 25 नवम्बर 2025 को साऊंडबाक्स लगाने आया था। पीड़िता के मोबाईल में पेटीएम एप के माध्यम से 2.16 लाख का लोन लिया गया। जिसकी जानकारी पीड़िता को नहीं थी। दोबारा पेटीएम एजेंट संत कुमार पात्रे पीड़िता के दुकान में आकर मोबाईल मांगकर पेटीएम एप्लीकेशन से 1 लाख रुपए की राशि का अपने एकाउंट में डालकर ट्रांसफर कर लिया। दोबारा फिर इसी तरह रकम अपने खाते में ट्रांसफर कर लिया। इस तरह दो लाख 16 हजार रुपए की ठगी किया। 13 दिसंबर 2025 को पेटीएम बिजनेश एप के द्वारा परिवादिनी को फोन आया। उन्होंने परिवादिनी को बताया कि आपका लोन चल रहा है, जिसकी राशि नहीं दी गई है। तब परिवादिनी को ज्ञात हुआ कि उसके पेटीएम बिजनेश एप से किसी भी प्रकार का कोई लोन नहीं लिया है। उक्त लोन परिवादिनी के पेटीएम एप के माध्यम से पेटीएम कंपनी का एजेंट के द्वारा उक्त ठगी करना पाया गया। शिकायत पुलिस थाने में की गई लेकिन पुलिस ने एजेंट पर कोई कार्रवाई नहीं करने के पर न्यायालय दुर्ग में पीड़िता ने एजेंट के खिलाफ परिवाद दायर किया। न्यायालय ने पुलिस को अपराध दर्ज करने आदेश दिया।

वर्चस्व की रंजिश के चलते हत्या का प्रयास तीन गिरफ्तार

भिलाई। वर्चस्व की रंजिश में हत्या के प्रयास मामले में पुलिस ने दो महिला समेत तीन को गिरफ्तार किया है। एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि पीएम आवास, खम्हरिया निवासी शीतल वर्मा 1 जुलाई को मोहल्ले की आरोपी परी खान के साथ लक्की सरदार को लेकर विवाद हुआ था। विवाद से नाराज होकर परी खान ने अपने पति लक्की सरदार, नागपुर बहन मुस्कान और जीजा राहुल यादव के साथ मिलकर महिला पर प्राणघातक हमला की साजिश रच दी। प्लान के तहत रात 8 बजे तीनों आरोपियों ने ज्वलनशील पदार्थ लेकर शीतला के घर पहुंचे, जहां महिला के साथ मारपीट कर उसके शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर हत्या करने का प्रयास किया। किसी तरह पीड़िता अपनी जान बचाकर भाग निकली। फरार आरोपी को नागपुर जाने की संभावना पर पतासाजी की गई। पूछताछ में आरोपियों ने पूर्व में लक्की सरदार के खिलाफ अपराध दर्ज कराने की बात से आक्रोश होकर हत्या की योजना बनाना स्वीकार किया। आरोपी परी खान, मुस्कान, राहुल यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

नेहरू नगर में अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल पर चला बुलडोजर, 4 अवैध कब्जे हटाए

भिलाई निगम की बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई ने शुक्रवार को अवैध अतिक्रमण और कब्जों के खिलाफ एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए नेहरू नगर क्षेत्र में चार अलग-अलग अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कर दिया।

निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने जेसीबी की मदद से कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया। नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार सभी जोन क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, कब्जे और बिना अनुमति किए गए निर्माणों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जोन-1 क्षेत्र के नेहरू नगर स्थित हाईटेक हॉस्पिटल के समीप मॉडल टाउन में अवैध रूप से प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल बनाकर दुकानें संचालित किए जाने की शिकायत निगम को मिली थी। वार्ड प्रभारी की जांच रिपोर्ट में शिकायत सही पाए जाने के बाद निगम प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई का निर्णय लिया। राजस्व विभाग, बेदखली दस्ता और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन से चारों अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल को हटाकर कब्जा मुक्त कराया।

निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, बिना अनुमति निर्माण और अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

इलाज के लिए भटक रही मरीज आप ने दी आंदोलन की चेतावनी

दुर्ग। आम आदमी पार्टी ने बरसात के मौसम में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। आप ने आरोप लगाया है कि इलाज के लिए मरीज भटक रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश महासचिव वदूद आलम ने कहा कि हर वर्ष मानसून के साथ मलेरिया, डेंगू, डायरिया, टाइफाइड और अन्य संक्रामक बीमारियां बढ़ जाती हैं, लेकिन सरकारी अस्पतालों की बदहाल व्यवस्था के कारण मरीजों को समय पर उपचार तक उपलब्ध नहीं हो पाता। वैशाली नगर विधानसभा के संगठन मंत्री बलविंदर सिंह ने कहा कि दिल्ली और पंजाब में आप ने मोहल्ला स्तर तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर आम नागरिक को सम्मानजनक एवं निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में डॉक्टरों, विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सों, उपकरणों और मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी के कारण जनता परेशान है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक यानी सीएडी की ऑडिट रिपोर्ट स्वयं प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर करती है। प्रदेश में एक डॉक्टर पर लगभग 2,492 लोगों का भार है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक लगभग 1,000 लोगों पर एक डॉक्टर का हैं। जिला अस्पतालों में लगभग 33 प्रतिशत विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद रिक्त हैं।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग 72 प्रतिशत विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद खाली हैं। कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ने आरोप लगाया कि उतई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिस पर लगभग 3 लाख नागरिक निर्भर हैं, वहाँ स्वीकृत पदों की तुलना में केवल तीन डॉक्टर कार्यरत हैं। प्रदेश सचिव देवेंद्र सिंह भाटिया ने कहा कि यदि बीमारियों का प्रकोप बढ़ता है तो प्रशासन जिम्मेदार होगा।

परिजनों ने सुरक्षा में लापरवाही का लगाया था आरोप

हरिओम टीएमटी में करंट लगने से हुई थी वेल्डर की मौत तीन दिन बाद हुआ पोस्टमार्टम, रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

जामुल थाना क्षेत्र के छावनी स्थित हरिओम टीएमटी प्लांट में करंट लगने से हुई 50 वर्षीय वेल्डर ब्रह्मदेव सिंह की मौत के मामले में घटना के तीन दिन बाद शुक्रवार को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट होगा कि मौत कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था में कमी के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। ब्रह्मदेव सिंह, कैंप-1 अर्जुन नगर के निवासी थे और हरिओम टीएमटी के मैकेनिकल विभाग में वेल्डिंग का कार्य करते थे। 1 जुलाई की सुबह प्लांट में काम के दौरान करंट लगने से वे गंभीर रूप से झुलस गए थे। उन्हें तत्काल खुर्सीपार के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भांजे चितरंजन सिंह ने आरोप लगाया था कि फैक्ट्री में पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण यह हादसा हुआ। उनका कहना था कि यदि सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम होते तो ब्रह्मदेव सिंह की जान बचाई जा सकती थी। वहीं कंपनी प्रबंधन ने इस आरोप से इनकार करते हुए दावा किया कि यह आत्महत्या का मामला है। ऐसे में अब सभी की नजर पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी है, जिससे मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार पोस्टमार्टम में देरी इसलिए हुई क्योंकि कंपनी प्रबंधन और मृतक के परिजन समय पर अस्पताल नहीं पहुंचे थे। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया गया।

आश्रितों को मुआवजे के रूप में 9 लाख रुपए और 25 हजार रुपए अंतिम संस्कार के लिए दिए गए

पोस्टमार्टम के दौरान मृतक के परिजन अस्पताल में मौजूद रहे। परिजनों में भिलाई निवासी उमाशंकर और बिहार से पहुंचे द्वारिका प्रसाद ने बताया कि कंपनी प्रबंधन ने शुरुआत में 5 से 6 लाख रुपए मुआवजा देने की पेशकश की थी। विरोध के बाद मुआवजे की राशि बढ़ाकर 9 लाख रुपए कर दी गई। इसके अलावा अंतिम संस्कार और क्रिया-कर्म के लिए 25 हजार रुपए अलग से दिए गए। अब इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के आधार पर ही यह तय होगा कि मौत कार्यस्थल पर सुरक्षा में लापरवाही का परिणाम थी या कंपनी प्रबंधन का दावा सही है।

कोटवारों ने उठाई नियमितीकरण व वेतन वृद्धि की मांग, पेंशन और ग्रेच्युटी भी चाहिए

निकाय क्षेत्रों में प्रतिबंध हटाए जाने सहित कई प्रमुख मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

प्रदेश के कोटवारों ने अपनी वर्षों पुरानी लंबित मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित किया है। कोटवार संघ का कहना है कि वे लंबे समय से प्रशासन और आम जनता की सेवा करते आ रहे हैं, लेकिन आज तक उन्हें नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं मिल पाया है। इससे प्रदेशभर के कोटवार और उनके परिवार आर्थिक व सामाजिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

जनपद पंचायत पाटन के सामने कोटवार संघ द्वारा प्रदेश संगठन के आह्वान पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इसमें मुख्य रूप से कोटवार संघ के दुर्ग संभाग अध्यक्ष भुनेश्वर चोपड़ा मौजूद रहे। वही कोटवार संघ के मांग का समर्थन करने दुर्ग ग्रामीण कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर भी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने अपने संबोधन में कोटवार संघ की मांगो को पूरा करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि कोटवारों को इस लड़ाई में कांग्रेस उनके साथ है। संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार पाटन पवन ठाकुर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि अंग्रेजों के शासनकाल से कोटवार राजस्व विभाग के सहयोगी के रूप में कार्य करते आ रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें नाममात्र का पारिश्रमिक दिया जा रहा है। सेवा अवधि पूरी होने, मृत्यु अथवा सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें पेंशन, ग्रेच्युटी सहित अन्य शासकीय सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता, जिससे वृद्धावस्था में उन्हें कठिन जीवन बिताना पड़ता है। कोटवार संघ ने सर्वोच्च न्यायालय के उस निर्णय का भी हवाला दिया है, जिसमें विभिन्न विभागों में लंबे समय से कार्यरत अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने की बात कही गई है। इसी आधार पर संघ ने कोटवारों को नियमित कर राजस्व विभाग में संविलियन करने की मांग की है। संघ ने वर्तमान पारिश्रमिक को महंगाई के अनुरूप बढ़ाने की भी मांग रखी है। ज्ञापन के अनुसार वर्तमान में सेवा भूमि के आधार पर 3 हजार से 6 हजार रुपये तक मासिक पारिश्रमिक दिया जाता है, जिसे बढ़ाकर अलग-अलग श्रेणियों में 8 हजार से 15 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की गई है।

कोटवार संघ ने नगर पालिका एवं नगर निगम क्षेत्रों में कोटवारों की नियुक्ति पर लगे प्रतिबंध को तत्काल हटाने की भी मांग करते हुए शासन से सभी लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया है। इस अवसर पर कोटवार एसोशिएशन आफ छत्तीसगढ़ के संरक्षक हेमंत कुलदीप, अध्यक्ष बीरबल चौहान, उपाध्यक्ष ऐश्वर्य कुमार, परमेश्वर, दिल्लू, मोहन लाल, चोवा राम, दिलेश्वर प्रसाद, उमा मानिकपुरी, गोपाल चंदेल, ओम प्रकाश, मुन्ना लाल, इतवारी राम, हिम्मत दास, नीलकंठ, शिव प्रसाद, मोहन लाल, सुशील दास, दुसियांत सहित अन्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बीएसपी कर्मी से ठगी

भिलाई। ठगी के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि बीएसपी कर्मी राजेश कुमार चौरसिया ने माह अक्टूबर 2025 में ग्रीन रेस प्राय. लिमी. कंपनी के डाटा एंट्री वर्क करने के लिए कंपनी के साथ एग्रीमेन्ट कर मेडिकल डाटा एण्ट्री का काम शुरू किया था। एंट्री को अपलोड करते के समय अज्ञात मोबाईल नम्बर के धारक के द्वारा डेटा करप्ट, बैय साईड केश को सुधारने एवं पेमेन्ट रिलिज कराने का झांसा देकर विभिन्न समय में पीड़ित से 39.33 लाख 560 रुपए का आनलाईन ट्रांसफर कर ठगी किया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई किया है।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का किया स्वागत

पाटन। बटंग स्थित शासकीय हाई स्कूल में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष कीर्ति नायक ने इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें अध्ययन सामग्री वितरित की तथा मिठाई खिलाकर नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएँ दीं। इस गरिमामय कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, ग्राम सरपंच गेंदूराम वर्मा, उपसरपंच महेश्वरी आदि मौजूद थे।

वीबी जी रामजी योजना बड़ी सौगात : माया

निकुम। विकसित भारत वी. बी - जी रामजी योजना के पूरे देश में 1 जुलाई से शुरूआत के अवसर पर भाजपा नेत्री प्रदेश कार्य समिति

सदस्य व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्ग माया बेलचंदन ने कहा कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और अकुशल श्रमिकों के आर्थिक उत्थान के लिए केंद्र और राज्य सरकार भाजपा की डबल इंजन की सरकार निरंतर बड़े फैसला लिए। भारत सरकार द्वारा जारी हाजिरी सूचना के तहत छत्तीसगढ़ में ग्रामीण श्रमिकों के साथ-साथ बीवी राम जी योजना अंतर्गत अकुशल श्रमिकों में 39 रुपए प्रतिदिन की बढ़ोतरी की गई है।

निधन

रुक्मणी बन्छोर

भिलाई। मरोदा सेक्टर निवासी रुक्मणी बन्छोर (82 वर्ष) का

निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को रिसाली मुक्तिधाम में किया गया। वे रविंद्र, केशव बंछोर सभापति नगर पालिक निगम रिसाली, संजय बंछोर और सपना की मां तथा शिक्षक हेमंत मदरिया की सास थी। उनके अंतिक संस्कार कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सहित बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि शामिल थे।

सरवजीत सिंह

भिलाई। वैशाली नगर निवासी सरवजीत सिंह टिटु का 3 जुलाई को निधन हो गया। वे जोगिंदर सिंह और कुलदीप सिंह के भाई थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

कांग्रेस ने आंदोलन कर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

नकटी गांव में गरीबों का आशियाना उजाड़ने के विरोध में पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओखरा मुरमुन्दा

न्याय दिलाने और तत्काल पुनर्वास की आवाज बुलंद की कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने

रायपुर जिले के धरसीवा विकासखंड अंतर्गत ग्राम नकटी में अतिक्रमण हटाने के नाम पर 85 गरीब एवं ग्रामीण परिवारों के मकान तोड़े जाने की घटना के विरोध में गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अहिवारा के तत्वावधान में मुरमुंदा चौक पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन किया गया। इसके पश्चात राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन भूपेंद्र नेताम नायब तहसीलदार को सौंपकर प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने एवं तत्काल पुनर्वास की मांग की गई।

पुतला दहन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की झूमा-झटकी भी देखने को मिली। बड़ी संख्या में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गरीब परिवारों के साथ हुए व्यवहार को अमानवीय बताया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार अतिक्रमण हटाने के नाम पर गरीबों का आशियाना उजाड़ रही है। उन्होंने कहा कि जिस भूमि को आज अतिक्रमण बताकर खाली कराया जा रहा है, उसी स्थान पर वर्षों से रह रहे लोगों को बिजली कनेक्शन, सड़क, नल-जल योजना, प्रधानमंत्री आवास सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ किस आधार पर दिया गया था? यदि वह भूमि वास्तव में शासकीय अतिक्रमण थी, तो सरकार और प्रशासन इतने वर्षों तक मौन क्यों रहे?

ठाकुर ने यह भी प्रश्न उठाया कि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा कार्रवाई से एक दिन पहले ग्रामीणों को आश्वासन दिए जाने के बावजूद अगले ही दिन तड़के लगभग 3 बजे हजारों की संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अमला पहुंचकर मकानों को तोड़ने की कार्रवाई क्यों शुरू कर दी गई। उन्होंने कहा कि यह सरकार की कथनी और करनी के बीच के अंतर को उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में 85 परिवारों को बेघर कर देना अत्यंत अमानवीय और संवेदनहीन कदम है। छोटे-छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं तथा उनका वर्षों का आशियाना मलबे में तब्दील हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, उचित मुआवजा तथा मानवीय सहायता की तत्काल घोषणा करनी चाहिए।

कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि प्रभावित ग्रामीणों को शीघ्र न्याय नहीं मिला और उनके पुनर्वास की समुचित व्यवस्था नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशभर में जनआंदोलन को और तेज करेगी। ठाकुर ने कहा कि गरीबों पर अत्याचार करने वाली भाजपा सरकार को छत्तीसगढ़ की जनता आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से करारा जवाब देगी।

इस दौरान हीरा वर्मा जिला उपाध्यक्ष, उमेश साहू ब्लॉक अध्यक्ष अहिवारा, पंकज कुमार सिकट उपाध्यक्ष कांग्रेस आईटी सेल अहिवारा, उषा सोने जिला पंचायत सदस्य दुर्ग आकाश कुर्रे पूर्व जिला सभापति दुर्ग, प्रकाश सिंह ठाकुर, कमलेश साहू ब्लॉक अध्यक्ष जामुल, संतोष बाफना अध्यक्ष अहिवारा नगर, योगेश टिकरिया उपाध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अहिवारा विजय चौबे, सोनू सोनवानी, धरम बर्रे ब्लॉक महामंत्री, रोहित यादव महामंत्री, जगदीश मार्कण्डेय, सुमन साहू मंडल अध्यक्ष, राजा साहू बोरसी, अशोक आडिल उपाध्यक्ष, हेमंत साहू युवा कांग्रेस, उमेश बंजारे, सुमित दिवाकर लहंगा, अभिषेक जांगड़े, ओमप्रकाश मधुकर, विष्णु मधुकर, भूपेंद्र साहू, दिनेश्वर चंदेल, शुभम बंजारे, बिट्टू बंजारे, दीपक मानिकपुरी, संतोष निर्मलकर, भोज पाटले, जसवंत गायकवाड़, चेतन साहू, चेतन वास, नीलिमा साहू, सुमित एवं समस्त साथी कांग्रेस गण उपस्थित थे।

आनंद मार्ग के शिविर में योग और साधना के प्रभाव की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

- विनायकपुर में विभिन्न जिलों से जुटे सैकड़ों आनंदमार्गी

ग्राम विनायकपुर में आनंद मार्ग प्रचारक संघ, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में विगत दिनों तीन दिवसीय सेमिनार एवं योग साधना शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आसपास के गांवों सहित विभिन्न जिलों से लगभग 200 लोगों ने भाग लिया।

शिविर के केंद्रीय प्रशिक्षक आचार्य गम्भीरानंद अवधूत ने प्रथम दिवस प्रउत दर्शन के मूल सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्राचीन भारत के छह प्रमुख दर्शनों की चर्चा करते हुए कार्ल मार्क्स, प्लेटो और अरस्तु के सिद्धांतों का उल्लेख किया। दूसरे दिन सृष्टि की उत्पत्ति, विकास, रूप एवं रूपातीत जैसे गहन आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की गई। वहीं तीसरे दिन विभिन्न योग आसनों के शरीर एवं मन पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही साधना के माध्यम से कुंडलिनी जागरण और सालोक्य से कैवल्य भाव तक की आध्यात्मिक अनुभूतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। शिविर के दौरान आचार्य शिवानंद दानी, आचार्य सुष्मितानंद एवं आनंदप्रभा ने प्रतिदिन योगाभ्यास कराया और विभिन्न शारीरिक समस्याओं के निदान हेतु उपयोगी आसनों की जानकारी दी। वहीं आचार्य सुभद्रानंद द्वारा प्रस्तुत भजनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। शिविर में शामिल सभी प्रतिभागियों ने इस आयोजन को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

वर्मा बने भाजपा किसान मोर्चा भिलाई जिला उपाध्यक्ष

सेलूद। मोरिद ग्राम के सक्रिय भाजपा नेता कृष्ण कुमार वर्मा को किसान मोर्चा

भिलाई का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।उनकी इस नियुक्ति की घोषणा के बाद से ही क्षेत्र के किसानों और पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इस नियुक्ति पर वरुण यादव, उपकार चंद्राकर, राजू लाल नेताम,मोनेश गौतम, सुशील यादव,प्रसुन्न बेनर्जी,सुशील शर्मा, प्रदीप जैन, पी. एन. शर्मा, डॉक्टर राधेश्याम वर्मा और प्रेम लाल साहू सहित कई लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। अपनी नियुक्ति पर कृष्ण कुमार वर्मा ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व और किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

कबीर प्राकट्य दिवस पर समाज के लिए मांगा भवन, पूजा-अर्चना भी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

वार्ड क्र. 17 रामपुर (चोरहा) में श्रीश्री कबीर पंथ समाज के अनुयायियों ने श्रद्धा और भक्ति भाव से कबीर प्राकट्य दिवस मनाया। संत कबीर के 628 वें वर्ष के इस आयोजन में समस्त कबीरपंथी एकत्र हुए और पूजा अर्चना की इस धार्मिक उत्सव में मीना वर्मा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कुम्हारी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। इसके अलावा पार्षद अश्विनी देशलहरे उपस्थित रहे।

कबीरपंथी समाज के लोगों ने समस्त ग्राम वासियों का धन्यवाद किया और कहा कि उनके सहयोग से यह आयोजन सफल हुआ। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पुरुषोत्तम दास मानिकपुरी ने बताया कि विगत 10 वर्षों से श्रद्धा और भक्ति भाव तथा उत्साह पूर्वक सतत श्रीकबीर प्राकट्य दिवस वार्ड में आयोजित किया जाता रहा है साथ ही समाज के वरिष्ठ जनों ने अध्यक्षा मीना वर्मा से निवेदन कर कबीर समाज हेतु भवन निर्माण कराने ज्ञापन सौंपा। आयोजन में समाज के हरिदास, शेषनारायण, एन दास, भागवत दास, मनीष दास, भूपेंद्र दास तथा भामिन माता की ओर से श्रीमती रामप्यारी, लक्ष्मी, गोमती और टेकेश्वरी तथा ग्रामवासी रामू, कुंदन, ध्रुव सहित समाज के अनेक युवकों-युवतियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई।

बेटियों के सपनों को मिले पंख, शिक्षा के लिए अब साइकिल से जाएंगी स्कूल, वितरण की साइकिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- 9वीं की 22 छात्राओं को बांटी साइकिल

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गनियारी में छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत कक्षा नवमीं की 22 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। पूरे जिले में साइकिल वितरण किया जा रहा है। 9वीं की छात्राओं को साइकिल बांटी जा रही है। गनियारी में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेता प्रेमलाल साहू, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष राज कुमार साहू, महापौर निर्मल कोसरे, पूर्व अध्यक्ष सीता साहू शामिल हुए। प्रेमलाल साहू ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना केवल साइकिल देने की योजना नहीं, बल्कि बेटियों के आत्मविश्वास, शिक्षा और सशक्तिकरण की यात्रा को गति देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि शिक्षित बेटी केवल अपने परिवार का ही नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य संवारती है। उन्होंने छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि जीवन में बड़े सपने देखें और उन्हें साकार करने के लिए पूरे समर्पण के साथ प्रयास करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज सायकल प्राप्त करने वाली छात्राएं भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर विद्यालय, परिवार और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। राज कुमार साहू ने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं है।

विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए । उन्होंने छात्राओं को साइकिल का सुरक्षित उपयोग करने तथा नियमित विद्यालय आने का आह्वान किया। महापौर निर्मल कोसरे ने कहा कि बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना किसी भी समाज के विकास की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। सरस्वती साइकिल योजना से ग्रामीण क्षेत्र की छात्रों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी पढ़ाई निरंतर जारी रहेगी और विद्यालय छोड़ने की संभावना भी कम होगी।

बिजनेस साइट

'नैनूमल' एनसी ज्वेलर्स का भव्य शुभारंभ

दुर्ग। शहरवासियों के लिए नई सौगात के रूप में न्यू मोती कॉम्पलेक्स, महात्मा गांधी स्कूल के पास, दुर्ग स्थित 'नैनूमल' एनसी ज्वेलर्स का भव्य शुभारंभ किया गया। सतगुरू सांई लालदास साहेब जी (चकरभाठा) के शुभ आगमन और आर्शीवाद के साथ ही इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दुर्ग शहर एवं शिक्षामंत्री छत्तीसगढ़ गजेंद्र यादव उपस्थित रहे। तीन दिनों तक चले इस भव्य शुभारंभ समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, व्यापारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में गजेंद्र यादव ने प्रतिष्ठान के संचालकों को शुभकामनाएं दी। प्रतिष्ठान की ओर से सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि पिछले 73 वर्षों से उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण शानदार डिजाइन और आभूषणों के अद्भुत कलेक्शन से लोगों के बीच लोकप्रिय नैनूमल एन.सी. ज्वेलर्स में 100% HUID हॉलमार्क ज्वेलरी नई डिजाइन की विशाल रेंज स्पेशल डिस्काउंट और ऑफर रेट पर उपलब्ध है। डेली वियर लाइटवेट ज्वेलरी, विवाह और अन्य मांगलिक अवसरों के मार्डन और पारंपरिक आभूषणों की खरीदारी के लिए न्यू मोती कॉम्पलेक्स, महात्मा गांधी स्कूल के पास, दुर्ग स्थित शो रूम में विजिट किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

बीएसपी से स्क्रैप लोहा चोरी करने वाला पकड़ाया

भिलाई। बीएसपी में दीवार फांदकर स्क्रैप चोरी करने वाले एक युवको को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भठ्ठी पुलिस ने बताया प्लांट के केनाल गेट के पास बिना नंबर की स्कूटी में दो क्रॉस स्ट्रीट-4, क्वार्टर नं. 10-सी, सेक्टर-5 निवासी सोनू नायक, सेक्टर-5, सड़क नं. 17, उड़िया बस्ती पुष्पेंद्र दीप उर्फ पुष्पा सवार थे। उनके पास से 220 किलोग्राम स्क्रैप आयरन चोरी जब्त किया गया। सीआईएसएफ की क्यूआरटी टीम ने इसे रोकने का प्रयास करने पर स्कूटी में पीछे बैठा युवक सोनू अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। जबकि चालक को चोरी के सामान समेत पकड़ा गया। फरार सोनू की की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। आरोपी पुष्पेंद्र दीप उर्फ पुष्पा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी के पास से 220 किलोग्राम स्क्रैप आयरन 5,500, स्कूटी 40,000, मोबाइल फोन 7,000 का जब्त किया गया है।

बीएसपी में मजदूरों से वसूली का आरोप, श्रम विभाग में शिकायत के बाद जांच हुई तेज

केंद्रीय श्रम विभाग ने बीएसपी प्रबंधन और आरोपी ठेकेदार को किया तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हरिभूमि लगातार

भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत ठेका मजदूरों से वेतन भुगतान के बाद कथित रूप से राशि वापस लेने के मामले ने अब केंद्रीय स्तर पर तूल पकड़ लिया है। श्रमिकों की शिकायत मिलने के बाद भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन उप मुख्य श्रमायुक्त (केंद्रीय) रायपुर कार्यालय ने बीएसपी प्रबंधन और संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। बताया जाता है कि करीब 65 ठेका मजदूरों से वसूली की गई है। ठेका मजदूरों ने ऑनलाइन ट्रांजेक्शन दस्तावेजों के साथ केन्द्रीय श्रम विभाग में शिकायत की है। विगत 1 जून को मजदूरों ने मामले की शिकायत केंद्रीय श्रम विभाग रायपुर में की थी। शिकायम मिलने के बाद केन्द्रीय श्रम विभाग ने कार्यवाही शुरू की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ठेका कंपनी के माध्यम से कार्यरत मजदूरों को वेतन तो दिया जाता है, लेकिन बाद में उनसे उसका एक हिस्सा या पूरी राशि वापस ले ली जाती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप मुख्य श्रमायुक्त केंद्रीय कार्यालय ने भिलाई इस्पात संयंत्र के डायरेक्टर इंचार्ज तथा संबंधित ठेका कंपनी जीआर एंटरप्राइजेज के ठेकेदार त्रिलोकी सिंह को नोटिस जारी किया। दोनों पक्षों को रायपुर स्थित उप मुख्य श्रमायुक्त कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि यदि निर्धारित तिथि पर संबंधित पक्ष उपस्थित नहीं होते हैं, तो उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए मामले का निर्णय लिया जाएगा। अब इस मामले पर सभी की नजर केंद्रीय श्रम विभाग की जांच और उसके निष्कर्ष पर टिकी हुई है। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों पर श्रम कानूनों के तहत कार्रवाई हो सकती है।

डेढ़ साल में 65 ठेका मजदूरों से लाखों रुपए वापस लेने का दावा

सुपरवाइजर के खाते में रकम ट्रांसफर

जीआर इंटरप्राइजेस के ठेकेदार त्रिलोकी सिंह पर मजदूरों ने आरोप लगाया है कि वेतन खाते में आने के कुछ ही समय बाद उनसे जबरन रकम वापस ली जाती थी। मजदूरों का कहना है कि हर महीने वेतन मिलने के दिन ही उनसे 3 हजार से लेकर 6 हजार रुपए तक ऑनलाइन ट्रांसफर कराए जाते थे। यह रकम ठेकेदार के सुपरवाइजर जयदीप कुमार के बैंक खाते में भेजी जाती थी। आरोप है कि यह वसूली पिछले करीब डेढ़ साल से लगातार चल रही थी। बताया जाता है कि अब तक करीब 65 मजदूरों ने सामने आकर इस तरह की वसूली का आरोप लगाया है। मजदूरों का दावा है कि उनके पास बैंक ट्रांजैक्शन के रिकॉर्ड भी मौजूद हैं, जो इस पूरे मामले का सबूत हैं।

परेशान मजदूरों ने दस्तावेजों के साथ पुलिस में की ठेकेदार और सुपरवाइजर की शिकायत
बीएसपी ठेकेदार मजदूरों की मेहनत में डाल रहे डाका, हर महीने 3 से 6 हजार की अवैध वसूली

एसपी से शिकायत के बाद पुलिस ने दर्ज किए बयान

इस मामले में मजदूरों ने पुलिस अधीक्षक दुर्ग से भी शिकायत की है। शिकायत मिलने के बाद संबंधित थाने में ठेका मजदूरों के बयान दर्ज किए गए। बयान के दौरान मजदूरों ने विस्तार से बताया कि किस तरह हर महीने वेतन उनके बैंक खाते में आने के बाद उनसे 3 हजार से 6 हजार रुपये तक वापस जमा कराए जाते थे। अब पुलिस मजदूरों के बयानों और बैंक ट्रांजैक्शन से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीमा लोकपाल अधिकारी बनकर 1.60 करोड़ की ठगी, दिल्ली से तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीमा लोकपाल अधिकारी बनकर का झांसा देकर करोड़ों रुपए का ठगी करने वाला तीन युवकों को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। खुलासा करते हुए एएसपी सुखनंदन राठौर और साईबर प्रभारी पुष्पेन्द्र भठ्ठ ने बताया कि बीमा पॉलिसी की राशि रिफंड कराने अधिकारी बनकर विभिन्न बैंक खातों में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कराकर 1 करोड़ 60 लाख की साइबर ठगी किया गया। जांच के दौरान पूर्व में बैंक खाताधारक को पकड़ा गया था। तकनीकी साक्ष्यों एवं बैंक खातों के विश्लेषण के आधार पर विशेष टीम को दिल्ली भेजा गया। टीम आरोपी तिलक विहार, तिलक नगर, नई दिल्ली निवासी मनमीत सिंह, मूल निवासी श्रीगंगानगर (राजस्थान), वर्तमान निवासी चंदर विहार, निलोठी दिल्ली अमनदीप सिंह, चंदर विहार, निलोठी एक्सटेंशन, थाना निहाल विहार दिल्ली ईशांत माहे उर्फ ईशु को चिन्हित कर पकड़ा गया। तीनों से पूछताछ करने पर पैसों की लालच में बैंक खाते खुलवाकर उनके द्वारा साइबर ठगी करना स्वीकार किया। जांच में यह भी सामने आया कि बैंक खातों का उपयोग एक विदेशी (नाइजीरियन) साइबर ठगी नेटवर्क द्वारा किया जा रहा था। आरोपियों को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर न्यायालय, तीस हजारी, दिल्ली से ट्रांजिट रिमांड लेकर रेंज साइबर थाना दुर्ग लाया गया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 6 बैंक पासबुक, 4 चेकबुक, 3 मोबाइल फोन समेत विभिन्न सिम कार्ड बरामद किए गए।

बिना सत्यापान के राशि हस्तांतरित न करें

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि बीमा पॉलिसी रिफंड, केवाईसी अपडेट, निवेश अथवा किसी भी प्रकार के ऑनलाइन भुगतान कॉल अथवा संदेश मिलने पर बिना सत्यापन किसी भी बैंक खाते में राशि हस्तांतरित न करें। किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन अथवा साइबर क्राइम थाने में शिकायत करें।

दो नाबालिग सगी बहनों के साथ अनाचार, बालक हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दो सगी बहनों के साथ अनाचार करने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद आरोपी बालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि 14 वर्षीय बालक ने 7 और 9 साल की दो सगी बहनों को अपने घर पर बुलाया और उनके साथ अनाचार किया। बड़ी वाली के साथ 6 माह पहले घटना किया था। घटना का खुलासा गुरुवार शाम को हुआ जब छोटी बहन पेट और प्राइवेट पार्ट में दर्द होने की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने उसे तुरंत पुलिस थाने लेकर पहुंचे। दोनों मासूमों का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया। उसके बाद अनाचार करने की पुष्टि हो गई। पुलिस तुरंत बालक को गिरफ्तार करने पहुंची और उसे पकड़कर लाई। पूछताछ में घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। बालक दोनों बहनों को अपने घर पर बुलाकर खेला करता था। बालक के घर पर घटना के समय कोई नहीं था। घटना के बाद से देर रात दोनो पक्ष के लोग थाने पहुंचे थे। अनाचार का मामला सामने आने के बाद बालक के मकान पर बुलडोजर की कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। पुलिस द्वारा दोनों बहनों के अलग-अलग पूछताछ करने पर सच्चाई सामने आई।

बालक के घर आना जाना था

पुलिस ने बताया कि आरोपी बालक के घर पर परिजनों का आना जाना था। इस कारण मासूम भी अक्सर उसके घर में आना जाना करते थे। गुरुवार को भी बालक ने खेलने के बहाने मासूम को बुलाया और उसके चाकलेट देकर उसके साथ अनाचार किया। खुलासा के बाद बड़ी बहन ने भी बालक के खिलाफ परिजनों का जानकारी दी कि उसके साथ भी 6 माह पहले इसी तरह का घटना हुआ था। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

कार्रवाई की गई है

“ दोनों बहनों के साथ अनाचार होने की पुष्टि हुई है। घटना को अंजाम देने वाले को पकड़ा गया है। जांच किया जा रहा है। कई साक्ष्य भी पुलिस ने बरामद किया है। परिजनों की शिकायत पर कार्रवाई हुई है।

आरएन ध्रुव, प्रभारी थाना छावनी

पर्सनल आईडी से बनाता था ई टिकट, संचालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

ऑनलाइन चॉइस सेंटर पर आरपीएफ की टीम ने दबिश देकर संचालक को गिरफ्तार किया है। दुर्ग आरपीएफ प्रभारी एसके सिन्हा ने बताया कि उतई स्थित सदभावना चौक ऑनलाइन चॉइस सेंटर के ग्राम घुघवा भिलाई तीन निवासी संचालक भोज कुमार साहू द्वारा पर्सनल आईडी से ई टिकट बनाया करता था। संचालक भोज को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से रेलवे के 9 आरक्षित ई-टिकट जब्त किया गया। टिकट की कीमत 16 हजार 290 रुपए है। इनमें दो टिकट ऐसे थे, जो उस समय लाइव थे। उनकी कीमत 7,259 रुपए थी। रेलवे पुलिस के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, बिलासपुर के निर्देशन और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रायपुर के मार्गदर्शन में रेलवे टिकटों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने अभियान चलाया गया था। प्रभारी एसके सिन्हा के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। टीम में उप निरीक्षक सनातन थनापति, आरक्षक एस.आर. मीणा मौजूद थे। मुखबिर की सूचना मिलने पर आरपीएफ की टीम ने उतई पहुंची थी। टीम एडविक ऑनलाइन एवं चॉइस सेंटर में जांच करने पहुंची। आरोपी रेलवे की पर्सनल यूजर आईडी का इस्तेमाल कर ई-टिकट बना रहा था। जांच में सामने आया कि भोजकुमार साहू 123 के नाम की पर्सनल यूजर आईडी से आरक्षित ई-टिकट बनाया करता था।

रेलवे अधिनियम के तहत हुई कार्रवाई : रेलवे नियमों के मुताबिक पर्सनल यूजर आईडी का उपयोग केवल अपने या परिवार के लिए टिकट बुक करने के लिए किया जा सकता है। आईडी से दूसरों के लिए टिकट बनाकर पैसे लेना रेलवे अधिनियम के तहत अपराध माना जाता है। कार्रवाई के दौरान टिकटों के साथ जरूरी दस्तावेज भी जब्त किए गए।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 4 जुलाई 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

03

अपने बच्चों को पहली बार हॉस्टल ...

लाइव इवेंट

काम पूरी निष्ठा से करना ही सफलता की कुंजीः खंडेलवाल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल को उनके स्थानांतरण पर आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। खंडेलवाल को अब रायपुर मुख्यालय में कार्यपालक निदेशक संचारण-संधारण के महत्वपूर्ण पद पर पदस्थ किया गया है, जहाँ से वे पूरे प्रदेश की विद्युत वितरण व्यवस्था के संचालन का दायित्व संभालेंगे। वहीं दुर्ग क्षेत्र में खंडेलवाल के स्थान पर अब शिरीष सेलट नए कार्यपालक निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

विदाई समारोह में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल को अविस्मरणीय बताया। वक्ताओं ने कहा कि

खंडेलवाल न केवल एक कुशल नेतृत्वकर्ता हैं, बल्कि बहुत ही बुद्धिमान, सज्जन और सकारात्मक सोच रखने वाले व्यक्ति भी हैं, जो बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान सहजता से कर लेते हैं। उनके कार्यकाल में कार्यालय में एक शांत एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण रहा, जो भविष्य में भी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

- कार्यपालक निदेशक खंडेलवाल को दी गई विदाई, सेलट संभालेंगे दुर्ग क्षेत्र की कमान

अपने विदाई संबोधन में संजय खंडेलवाल ने कहा कि कार्य को पूरी जिम्मेदारी और निष्ठा से करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी के साथ प्रदेश की जनता और कर्मचारियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का वे हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने उपस्थित सभी सहकर्मियों से आग्रह किया कि वे नवपदस्थ कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट को भी दुर्ग क्षेत्र के विकास हेतु अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल की पत्नी रितु खंडेलवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस मनोज, इसीजीआरएफ के अध्यक्ष पीवीसजीव, अधीक्षण अभियंता तरुण कुमार ठाकुर, डीजीएम एचआर संतोष साहू एवं कार्यपालन अभियंता अनसुईया ठाकुर सहित कार्यलय के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी डीके डूम्भरे और आभार प्रदर्शन स्टॉफ ऑफिसर बीएस राजपूत ने किया।

लाइव इवेंट

श्रीराम जन्मोत्सव समिति के भिलाई-3 प्रखंड की नई कार्यकारिणी घोषित

भिलाई। श्री राम जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में भिलाई-3 प्रखंड की बैठक रुक्मणी पैलेस में हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष मदन सेन ने भिलाई-3 प्रखंड की नई कार्यकारिणी की घोषणा की। इसके अंतर्गत भिलाई-3 के वार्ड क्रमांक 1, 2 और 3 को छावनी प्रखंड में शामिल किया गया। वहीं वार्ड 4 से 22 तक को भिलाई-3 प्रखंड का दर्जा दिया गया। साथ ही चरोदा को पृथक प्रखंड के रूप में गठित किया गया। पूर्व में भिलाई-3 एवं चरोदा एक ही प्रखंड के अंतर्गत संचालित होते थे, जिन्हें अब अलग-अलग प्रखंडों में विभाजित किया गया है। नई कार्यकारिणी में गुलशन ढिंढे को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष पद पर कृष्ण कुमार वर्मा, गुरूचरण सिंह, कमलेश पण्डेय एवं राजेंद्र सोनी, कोषाध्यक्ष पद पर अमर साहू, तथा महामंत्री पद पर रिंकू वर्मा एवं रोशन बोथरा की नियुक्ति की गई। इसी क्रम में अंकित यादव, श्रीमती मीणा गिरी, संजू यवुलकर एवं संजय चतुर्वेदी को मंत्री, रूपेंद्र यादव को मीडिया प्रभारी तथा प्रेमलाल शर्मा को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में रमेश शर्मा, रवि नाहर, जतिन देवांगन, नंद किशोर यादव, चंद्रप्रकाश साहू, जगदीश ठाकुर, नरेंद्र सिंह, दयादास साहू, मोनेश गौतम, राजूलाल नेताम, कौशल यादव, भागवत यादव, रूपेश वर्मा एवं गजानंद गोस्वामी को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त मोतीलाल कोसले को समिति का विधि सलाहकार नियुक्त किया गया।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय महिला पदाधिकारी आज दुर्ग में

दुर्ग। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ) की चेयरपर्सन रेखा गुप्ता का 4 जुलाई को दुर्ग में आगमन हो रहा है। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की महिला इकाई की राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. रूही अग्रवाल ने बताया कि रेखा गुप्ता के दुर्ग आगमन को लेकर सकल अग्रवाल समाज, दुर्ग में विशेष उत्साह है तथा समाजजन उनके आत्मीय स्वागत के लिए आतुर है। उनके दुर्ग आगमन के अवसर पर अग्रवाल समाज द्वारा स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन अग्रसेन भवन में शाम 5 से 7 बजे के मध्य किया गया है।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्षगण, संरक्षकगण, पदाधिकारीगण, महिला मंडल, युवा मित्र मंडल, यूथ क्लब सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहेंगे।

● आईबीआईटीएफ ने फाइन-टेक और लाइव डेमोंस्ट्रेशन का किया आयोजन, आईआईटी भिलाई भी हुआ शामिल

क्वांटम कंप्यूटिंग पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव : सुपर कंप्यूटर से तेज यह तकनीक साइबर सुरक्षा व दवा खोज में लाएगी बदलाव

दुनिया भर में जिस क्वांटम कंप्यूटिंग तकनीक को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, उसी आधुनिक विषय पर देश के जाने-माने विशेषज्ञों ने अपने शोध और अनुभव साझा किए। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग पुणे ने आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन (आईबीआईटीएफ) के साथ मिलकर फाइन टेक प्रोजेक्ट' के तहत क्वांटम-सेफ फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन टेक्नोलॉजीज़ पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, वैज्ञानिकों और छात्रों को कंप्यूटर जगत की इस सबसे एडवांस और भावी तकनीक से रूबरू कराना था, जो आने वाले समय में पूरी दुनिया के काम करने का तरीका बदलने वाली है।

भिलाई। कार्यक्रम में क्वांटम एल्गोरिद्म और उसके फायदे विषय पर विस्तार से अपनी बात रखी गई। बेहद सरल शब्दों में समझाया गया कि आज हम जिन सामान्य कंप्यूटरों या सुपर कंप्यूटरों का इस्तेमाल कर रहे हैं, क्वांटम कंप्यूटिंग की गणना करने की क्षमता उससे कई हजार गुना ज्यादा तेज है। आने वाले समय में जो वैज्ञानिक या औद्योगिक समस्याएं आज के कंप्यूटरों के लिए बेहद जटिल और नामुमकिन जैसी लगती हैं, उन्हें क्वांटम एल्गोरिद्म की मदद से चुटकियों में हल किया जा सकेगा। यह तकनीक भविष्य के विज्ञान को एक नई दिशा देने वाली है।आयोजित वर्कशाप में इस तकनीक के व्यावहारिक इस्तेमाल पर रोशनी डाली। बताया गया कि क्वांटम कंप्यूटिंग का उपयोग अब सिर्फ थ्योरी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उद्योग जगत में इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेष रूप से साइबर सुरक्षा (हैकिंग से बचाव), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), नई दवाओं की खोज, वित्तीय मॉडलिंग (फाइनेंस) और सामग्री विज्ञान में इसका उपयोग बहुत तेजी से शुरू हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों और शोधार्थियों को इस फील्ड में मौजूद करियर और नौकरियों के बेहतरीन अवसरों के बारे में भी बताया। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े देश भर के सैकड़ों रिसर्चर इस पूरे कार्यक्रम में शामिल हुए। देश भर के अलग-अलग

शिक्षण और शोध संस्थानों से जुड़े प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से सीधे सवाल-जवाब भी किए।

शिक्षकों और छात्रों ने इस आयोजन को बेहद ज्ञानवर्धक बताया। शुक्रवार को ट्रेनिंग प्रोग्राम का आखिरी दिन रहा, जिसमें कुछ और उन्नत विषयों पर चर्चा के साथ समापन किया गया। जानकारी दी गई कि इस प्रोजेक्ट को भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इस वर्कशॉप में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय रिज़र्व बैंक, नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया, डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ़ इंडिया, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ़ इंडिया, मास्टरकार्ड, बजाज फिनसर्व, क्रेडनटेक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च पुणे, आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग और बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्र के अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।क्वांटम कम्प्यूटिंग से सामने आने वाली साइबर चुनौतियों पर भी मंथनवर्कशॉप में क्वांटम कंप्यूटिंग के तेजी से विकास से पैदा हो रही साइबर सुरक्षा चुनौतियों पर भी मंथन किया गया।

जानकारी दी गई कि आज के कई एनक्रिप्शन तरीकों को कमज़ोर करने की क्षमता है। विशेषज्ञों ने क्वांटम-सेफ टेक्नोलॉजी को अपनाने की जरूरत पर चर्चा की, ताकि यह पक्का किया जा सके कि भारत के बैंकिंग और फाइनेंशियल सिस्टम भविष्य के साइबर खतरों से सुरक्षित रहे।

फाइन टेक प्रोजेक्ट टीम ने डिजिटल फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन की सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए बनाई गई स्वदेशी टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया। इनमें ट्रश टोकन शामिल रहा, जो एक हार्डवेयर-आधारित सिक्योरिटी टोकन है। सुरक्षित यूज़र ऑथेंटिकेशन, डिजिटल सिग्नेचर और पहचान की चोरी, अनधिकृत एक्सेस और फाइनेंशियल धोखाधड़ी से सुरक्षा देता है।क्वांटम के डिस्ट्रीब्यूशन का दिया गया प्रजेंटेशनटीम ने क्वांटम की डिसट्रिब्यूशन का भी प्रदर्शन किया, जो एक अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी है और संवेदनशील फाइनेंशियल डेटा और जरूरी बैंकिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए बहुत सुरक्षित कम्युनिकेशन की सुविधा देती है।

वर्कशॉप ने असल माहौल में इन टेक्नोलॉजी का मूल्यांकन करने के लिए बैंकों और फाइनेंशियल संस्थानों के साथ पायलट डिप्लॉयमेंट और सहयोग की संभावनाओं को तलाशने का एक मंच भी प्रदान किया। इस कार्यक्रम ने सामूहिक प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। जिसके तहत वे स्वदेशी क्वांटम-सुरक्षित साइबर-सुरक्षा तकनीकें विकसित करने और भारत के डिजिटल वित्तीय इकोसिस्टम की सुरक्षा और मजबूती को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

रूंगटा बनी देश की सबसे युवा ए ग्रेड यूनिवर्सिटी

भिलाई। रूंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। रूंगटा यूनिवर्सिटी देश की सबसे युवा (यंगेस्ट) यूनिवर्सिटी बन गई है, जिसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने ए ग्रेड प्रदान किया है। हाल ही में जारी अधिसूचना के साथ यह उपलब्धि आधिकारिक हो गई। नैक ने यूनिवर्सिटी को 3.23 सीजीपीए के साथ ए ग्रेड दिया है। इसके साथ ही रूंगटा यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ के उन चुनिंदा उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गई है, जिन्हें शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए यह प्रतिष्ठित मान्यता मिली है। नैक की ग्रेडिंग मिलने के बाद यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों की डिग्री की विश्वसनीयता और स्वीकार्यता देश-विदेश में और मजबूत होगी। कुलाधिपति संतोष रूंगटा और कुलपति डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी ने कहा कि, संस्थान ने शुरुआत से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, नवाचार और विद्यार्थियों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी, जिसका परिणाम आज पूरे देश के सामने है।

यूनिवर्सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सोनल रूंगटा ने कहा कि संस्थान में विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक शिक्षा तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उन्हें उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रायोगिक प्रशिक्षण और कौशल आधारित शिक्षा भी दी जा रही है। यही वजह है कि यहां के विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन, प्लेसमेंट और नवाचार लगातार बेहतर हो रहा है। कुलसचिव डॉ. एजाजुद्दीन ने बताया कि यूनिवर्सिटी को अब

तक भारत सरकार की विभिन्न शैक्षणिक और औद्योगिक संस्थाओं से 13 करोड़ रुपये से अधिक की शोध अनुदान राशि मिल चुकी है। इसमें एमएसएमई, एआईसीटीई, डीएसटी, एसईआरबी, नाबार्ड, आईपीएफसी और पीसीआई जैसी संस्थाएं शामिल हैं। इसके साथ ही रूंगटा यूनिवर्सिटी के नाम 112 से अधिक पेटेंट दर्ज हैं और बड़ी संख्या में शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। विभिन्न इंजीनियरिंग संकायों को एनबीए की मान्यता भी प्राप्त है, जिसने यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक गुणवत्ता को और मजबूत बनाया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, शोध और नवाचार, आधुनिक प्रयोगशालाएं, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, विद्यार्थियों को मिलने वाली शैक्षणिक सुविधाएं, स्टूडेंट सपोर्ट सिस्टम और संस्थान की बेस्ट प्रैक्टिसेज को आधार बनाकर यह ए ग्रेड मिला।

डाइट ने समय सीमा मे पूरा किया डीएलएड मूल्यांकन

भिलाई। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) अछोटी में डीएलएड प्रथम व द्वितीय वर्ष की मुख्य परीक्षा का केंद्रीय मूल्यांकन कार्य निर्धारित समय सीमा मे पूरा कर लिया गया। केंद्रीय मूल्यांकन कार्य बोर्ड द्वारा नियुक्त प्राचार्य पदेन मूल्यांकन केंद्र अधिकारी प्रभात मरकले के मार्गदर्शन में पूरा हुआ। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा केंद्र को लगभग 17 हजार कॉपियां मूल्यांकन करने दी गई थी। जिसमें शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान और निजी महाविद्यालय के लगभग 30 से 40 सहायक प्राध्यापकों द्वारा मूल्यांकन कार्य किया गया। मूल्यांकन कार्य को सुचारू रूप से संचालन करने के लिए प्राचार्य के आदेशानुसार सहायक मूल्यांकन केंद्र अधिकारी संध्या शर्मा, जनरल सुपरवाइजर हेमंत साहू, सुपरवाइजर सत्येंद्र शर्मा, हेड वैल्यूअर डॉ. नीलम दुबे, डिप्टी वैल्यूअर डॉ. वंदना सिंह, संदीप दुबे, सुषमा हिरवानी,आभा वर्मा, वेद डडसेना और संबंधित लिपिक शशांक मेश्राम को नियुक्त किया गया था। उनके द्वारा मूल्यांकन सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया गया।

बैलगाड़ी के बहुत से गांव में ही बढ़ई, लोहार या कृषक खुद ही तैयार कर लेते थे ऐसे उपकरण

कार्नर न्यूज

पुराने कृषि उपकरणों को सहेजने की पहल, बैलगाड़ी में लगने वाले 100 साल पुराने कलपुर्जों को संग्रहालय में किया संरक्षित

भिलाई। एक समय में बैल गाड़ी और भैंसागाड़ा ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरों तक आने-जाने, अनाजों को ढोने, खेतों से खलिहानों तक फसलों को लाने का प्रमुख साधन था। इसके लिए कृषकों, व्यापारियों आदि को गाड़ी सदैव सजा-संभाल कर रखना पड़ता था। जहां कृषक चौमासा के पहले गाड़ियों के सभी कलपुर्जों को निकाल कर बरसात में भीगने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर रख देते थे। वहीं फसल काटने के समय फिर से उसे सजाते थे। जिस रास्ते पर गाड़ी चलता था। उसे गाड़ी रावन भी कहा जाता था। बैल गाड़ी के बहुत से गांव में ही बढ़ई, लोहार या कृषकों द्वारा खुद बना लिया जाता था। अब बैलगाड़ी और सवारी गाड़ी के उपयोग घटने से उसके कल-पुर्जे एकदम से विलुप्त हो गए हैं। ऐसे में लोक संस्कृति कर्मी राम कुमार वर्मा ने चालित व स्कूल संग्रहालय की संकल्पनाओं को पूर्ण करते हुए विलुप्त होती छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक सामग्रियों से लेकर कृषि उपकरणों, वाद्य यंत्रों, प्राचीन पांडुलिपियों का निरंतर संग्रह कर जिले व संभाग में एक समृद्ध लोक सांस्कृतिक संग्रहालय की संकल्पनाओं को पूर्ण करने में लगे हुए हैं। इस काम में क्षेत्रीय कलाकारों, ग्रामीण कृषकों, लोक कलाकारों, वरिष्ठ साहित्यकारों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

भिलाई-तीन के रूपेश ने चलित संग्रहालय को किया समर्पित

भिलाई 3 के रुपेश मेश्राम ने अपने दादा स्वर्गीय सुनहर मेश्राम द्वारा क्रय कर बैलगाड़ी में उपयोग किए गए चक्के की लगभग सौ वर्ष प्राचीन मुंडी को चलित संग्रहालय के लिए भेंट करते हुए बताया कि जब वे लगभग 10 वर्ष के थे, तब दादा के साथ बैल गाड़ी में आया-जाया करते थे और उनके कामों में सहयोग करते थे। साथ ही चक्के को अच्छी तरह से चलाने के लिए ओंगना में ओंगन तेल भर कर एक पतले लकड़ी के छोर पर लगी चिंदी का उपयोग कर करते थे। वह आज भी हमारे घर में सुरक्षित रखा हुआ है। इस तरह से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की सामग्रियां निरंतर समय के साथ परिवर्तित हो जा रही है। अब बैल गाड़ी और गाड़ा का स्थान ट्रैक्टर ले चुका है।

विलुप्त होते कृषि उपकरणों को सहेजने के लिए अभियान

ऐसे में प्राचीन कृषि उपकरणों का विलुप्त होना स्वाभाविक है। ऐसे में लोगों से अपील है कि छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति से संबंधित किसी सामग्री को नष्ट न करके संग्रहालय हेतु अपने पास हर हालात में सुरक्षित रखने में सहयोग करें। पर इसके लिए पहिए अर्थात चक्के रायपुर के बढ़ईपारा के कुशल कारीगरों से खरीदते थे। ऐसे कारीगर आज भी यहां अपने कई पीढ़ियों से निवास करते हैं, जो दिन-रात इस काम में लगे रहते हैं। समय और साधनों के बदलने पर कार्यों में प्रभाव पड़ा है। पर संपूर्ण छत्तीसगढ़ के कृषक व व्यापारीजन रायपुर से चक्के की जोड़ियां खरीदते थे। वहीं ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों में लोहार और बढ़ई भी इस काम में सिद्धहस्त होते थे। जानकारी के मुताबिक पुराने विलुप्त होते उपकरणों को सहेजने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है।

सिटी इवेंट

जोखिमों की पहचान कर सुरक्षित कार्यप्रणाली मजबूत करने किया जागरूक

भिलाई। बीएसपी के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग (एसईडी) द्वारा दो दिवसीय एकीकृत सेफ्टी सर्किल (आईएससी) प्रतियोगिता सुरक्षा-2026 का शुभारंभ विगत दिनों मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडीडी) के सभागार में हुई। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बीके बेहरा थे। स्वागत उद्बोधन में मुख्य महाप्रबंधक डी सत्पथी ने बीएसपी एकीकृत सेफ्टी सर्किल गतिविधियों की प्रगति पर प्रकाश डाला।

- बीएसपी में एकीकृत सेफ्टी सर्किल प्रतियोगिता सुरक्षा 2026 का समापन

अजय टुल्लू ने प्रतिभागियों को शपथ दिलाई। प्रथम दिन 20 सेफ्टी सर्किल टीमों ने चार मूल्यांकन पैनलों के समक्ष अपने केस स्टडी प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों में कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान, दुर्घटना की संभावनाओं में कमी तथा सुरक्षित कार्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने संबंधी विभिन्न नवाचारी पहलें प्रस्तुत की गईं। दूसरे दिन 27 सेफ्टी सर्किल टीमों ने अपने केस स्टडी प्रस्तुत किए। कुल 47 केस स्टडी का मूल्यांकन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयन उच्च स्तरीय एकीकृत सेफ्टी सर्किल प्रतियोगिताओं में बीएसपी का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, निर्णायक, मेंटर्स, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इवेंट लाइव

सार्वजनिक कार्यक्रमों, धार्मिक आयोजनों में उपयोग, लोगों को मिलेगी सुविधा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा की जनसुविधाओं के लिए एन.एस.पी.सी.एल. भिलाई ने सीएसआर मद के दो आधुनिक मोबाइल टॉयलेट प्रदान किए हैं। इनका उपयोग शहर में आयोजित बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों, धार्मिक आयोजनों, मेलों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले अवसरों पर नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित, सुविधाजनक शौचालय उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा।

- एनएसपीसीएल के सीएसआर मद से भिलाई-चरोदा निगम को मिले मोबाइल टॉयलेट

महापौर निर्मल कोसरे ने एन.एस.पी.सी.एल. का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर निगम नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इन मोबाइल टॉयलेटों के शामिल होने से निगम की जनसेवा क्षमता और अधिक सशक्त होगी। सार्वजनिक आयोजनों में स्वच्छता एवं नागरिक सुविधा सुनश्चिति करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। मोबाइल टॉयलेट हस्तांतरण के अवसर पर एन.एस.पी.सी.एल. के प्रतिनिधि सरफराज उपस्थित रहे। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य मोहन साहू,वेंकट रमना, पार्षद डे साहब वर्मा, टेनेन्द्र ठाकरे, डी. वेंकट राव सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

आस्था लाइव

सिद्धि विनायक गणेश मंदिर का मना 9वां स्थापना दिवस, विधि-विधान से की पूजा

भिलाई। उतई के वार्ड-9 स्थित सिद्धि विनायक गणेश मंदिर का 9वां स्थापना दिवस श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया गया। नगर पुरोहित पं. उमाशंकर अवस्थी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। विशेष रूप से सात नवविवाहित जोड़ों ने पूजा में भाग लेकर कार्यक्रम को मंगलमय बनाया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर उपस्थिति थे। चंद्राकर ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। वार्ड के नवयुवकों द्वारा महाप्रसादी का वितरण किया गया। ललित ने कहा कि सिद्धि विनायक गणेश मंदिर उतई क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। विघ्नहर्ता गणेश की कृपा से हमारा दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास भी, विरासत भी के मंत्र को आत्मसात करते हुए हम धार्मिक स्थलों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और जन-सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार और क्षेत्र में सनातन संस्कृति का प्रचार हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर नपं अध्यक्ष सरस्वती साहू, शिवनारायण देशमुख, पार्षद सोनू राजपूत, सतीश चंद्राकर, लक्ष्मी नारायण साहू, सुनीता चंद्राकर, एल्डरमैन चंदू देवांगन, शशि सिन्हा, गौतम चंद्राकर, कांति साहू सहित अन्य मौजूद थे।

● छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के बैनरतले संस्कृति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर संगोष्ठी

छत्तीसगढ़ की संस्कृति हमारी पहचान, इसे सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के बैनर तले इंडियन कॉफी हाउस भिलाई निवास में सस्कृति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष संतकुमार केसकर ने की। विशेष रूप से डॉ. डीपी देशमुख उपस्थित थे। संगोष्ठी मे विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. कृष्ण कुमार पाटिल, डॉ. नीतू साहू एवं डॉ. कामता साहू शामिल हुए। संतकुमार केसकर ने छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए संगोष्ठी के विषय के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि हमारे महापुरूषों के बताये गये आचार-विचार, जिनका हम अपने जीवन में अनुसरण करने लगते हैं, वहीं समाज में संस्कृति के रूप में स्थापित हो जाती है। संस्कृति हमारी जीवन शैली को दर्शाती है। डॉ. डीपी देशमुख ने कहा कि संगोष्ठी में संस्कृति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य का विषय लिया गया है। यह हम सभी के हितार्थ बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। हमें अपने लोगों के बीच शिक्षा, समानता, सकारात्मक सोच, सामाजिक न्याय को अपनाते हुए आपसी भेदभाव को त्यागकर सामूहिक रूप से पारस्परिक सहयोग एवं सम्मान की भावना विकसित करना है। यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए, तभी हम छत्तीसगढियों के बीच स्वस्थ सामाजिक एकता स्थापित कर सकेंगे। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष भानु प्रताप यादव, बीएसपी अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ भिलाई अध्यक्ष विजय कुमार रात्रे एवं संगठन के भिलाई जिलाध्यक्ष चंदू लाल मरकाम के संयुक्त प्रयासों से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

परिचर्चा के साथ दर्शकों से लिए फीडबैक, पालन करने का दिलाया भरोसा

संगोष्ठी में उपस्थित श्रोताओं से फीडबैक लिया गया। लोगों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया। साथ ही भरोसा दिलाया कि भविष्य में उनके फीडबैक का पालन किया जाएगा। ताकि ऐसे आयोजनों को और भी अधिक बेहतर बनाया जा सके। कार्यक्रम में अनुरूप साहू, अनिल कुमार खेलवार, भानु प्रताप यादव, भोज राम डड़सेना, बेनीराम बघेल, गैंदलाल राय, छत्तर राम साहू, वेद प्रकाश सूर्यवंशी, राकेश कुमार साहू, घनश्याम कुमार देवांगन, चंदूलाल मरकाम, जीवन सिन्हा, प्रेमलाल सिन्हा, तामेश्वर देवांगन, विनोद कुमार खेलवार, मधुर लाल देवांगन, लक्ष्मण सिंह साहू, सी एल जोशी, संत ज्ञानेश्वर गायकवाड, वेद प्रकाश पटेल, कालिदास बघेल, हिवेंद्र कुमार साहू, सुखदेव कुमार साहू, श्रीमती जयंती साहू, हेमंत सिन्हा, डोमेन्द्र सिन्हा, गायत्री सिन्हा, प्रदीप कश्यप आदि मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति काफी समृद्ध आज देश-दुनिया में बना रही पहचान

कार्यक्रम में डॉ. कृष्ण कुमार पाटिल ने छत्तीसगढी संस्कृति पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि हमारी छत्तीसगढ़ी संस्कृति कितनी पवित्र, सरल, सहज और सम्मान से भरी है। हमें गीत, संगीत और संस्कृति के नाम पर फूहड़ता से बचना चाहिए। डॉ. नीतू साहू ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कि हम शिक्षित तो हो रहे हैं, परंतु संस्कार प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। अतः हमें शिक्षा के साथ-साथ संस्कार पर भी ध्यान देना होगा। डॉ. कामता साहू ने स्वास्थ्य पर उद्बोधन देते हुए कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन निवास करता है। इसलिए पहले तन को स्वस्थ रखना जरूरी है इसके लिए हमे प्रातकाल टहलना, योग करना, फास्ड फूड जैसे चीजों से परहेज करना जरूरी है। यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो हम स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे।

आयोजन...

अंगदान करने वालों को मरणोपरांत मिले राजकीय सम्मान, सीएम से की मुलाकात

भिलाई। छत्तीसगढ़ को अंगदान और देहदान के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में सर्वधर्म सेवा संस्था ने महत्वपूर्ण पहल की है। संस्था के संरक्षक इंद्रजीत सिंह छोटू के सहयोग और मार्गदर्शन में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भेंट कर अंगदान और देहदान को जन आंदोलन का स्वरूप देने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को 16 बिंदुओं का विस्तृत सुझाव-पत्र सौंपते हुए पूरे प्रदेश में अंगदान और देहदान के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया। संस्था का कहना है कि सरकार, चिकित्सा संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों के सामूहिक प्रयास से इस अभियान को नई दिशा मिल सकती है। संस्था ने सुझाव-पत्र में यह भी मांग की कि अंगदान करने वाले दाताओं को मरणोपरांत राजकीय सम्मान प्रदान किया जाए। संस्था का मानना है कि इससे समाज में अंगदान के प्रति सम्मान की भावना बढ़ेगी, लोगों में जागरूकता आएगी और अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित होंगे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि अंगदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। यदि इस दिशा में प्रभावी नीति, जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए तो छत्तीसगढ़ अंगदान और देहदान के क्षेत्र में पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनी और विषय पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील पहल पर सर्वधर्म सेवा संस्था ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि राज्य सरकार भविष्य में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठाएगी।

सर्वधर्म सेवा संस्था ने मुख्यमंत्री को सौंपा 16 सूत्रीय सुझाव पत्र, छग को देश का अग्रणी राज्य बनाने पर जोर

नेक पहल

शिक्षा से बड़ा कोई दान नहीं, दो जरुरतमंद बच्चों की जमा कराई फीस

दुर्ग। आकृति फाउंडेशन ने एक बार फिर आर्थिक रूप से कमजोर दो जरूरतमंद विद्यार्थियों की स्कूल फीस जमा कराई। दोनों विद्यार्थियों के पालकों द्वारा आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किए गए थे। आवेदनों पर विचार करने के बाद फाउंडेशन ने तत्काल सहायता देने का निर्णय लिया। संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में प्रमुख सलाहकार विजय गुप्ता, अध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता, सचिव रोहिताश सिंह भुवाल तथा कोषाध्यक्ष दीपमाला सिन्हा शैलेन्द्र साहू उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। किसी भी बच्चे की पढ़ाई आर्थिक अभाव के कारण न रुके, इसी उद्देश्य के साथ आकृति फाउंडेशन लगातार जरूरतमंद परिवारों की सहायता करता आ रहा है। आकृति फाउंडेशन समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, जरूरतमंद परिवारों की सहायता एवं मानव कल्याण से जुड़े अनेक कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है। सहायता प्राप्त करने वाले बच्चों के पालकों ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सहयोग केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति विश्वास और उम्मीद का संबल है।

आर्थिक रूप से कमजोर व गरीब बच्चों की सहायता के लिए हर समय तत्पर रहता है आकृति फाउंडेशन

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी 125 वीं जयंती पर जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन

एक निशान एक विधान के लिए डॉ. मुखर्जी ने अपना जीवन किया समर्पित, जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में जुटे कार्यकर्ता

कार्नर न्यूज

दुर्ग। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 वीं जयंती के अवसर पर स्मरण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कड़ी में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन दुर्ग शहर के मीनाक्षी नगर में स्थित चंद्राकर भवन में की गई। मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर थे। अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की। बैठक में सांसद विजय बघेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन, विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशिला साहू, जिला महामंत्री दिलीप साहू आदि उपस्थित थे। बैठक उपस्थित नेताओं के द्वारा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व भाजपा जिला महामंत्री चैनसुख भट्टड के निधन पर उन्हें 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

कलकत्ता विवि के सबसे कम उम्र के कुलपति बनने का गौरव

पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक कुरूद अजय चंद्राकर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद्, न्यायविद् और समाजसेवी थे। डॉ. मुखर्जी बचपन से ही अत्यंत प्रतिभाशाली, मेधावी और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत थे। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त कर शिक्षा जगत में अपनी अलग पहचान बनाई और मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत शिक्षा और समाज सेवा से की तथा बाद में राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वे स्वतंत्र भारत के प्रथम केंद्रीय मंत्रिमंडल में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री बने। किंतु राष्ट्रहित से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने सिद्धांतों से समझौता न करते हुए मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वर्ष 1951 में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक आधार को मजबूत किया। डॉ. मुखर्जी राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव के प्रबल समर्थक थे।

राष्ट्रभक्त के लिए प्रेरणा स्रोत है यह संदेश

सांसद विजय बघेल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र प्रथम की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका स्पष्ट संकल्प था कि भारत की संप्रभुता और अखंडता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक देश में एक विधान, एक प्रधान और एक निशान का संदेश आज भी प्रत्येक राष्ट्रभक्त के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अपने सिद्धांतों के लिए सर्वोच्च बलिदान देकर देशवासियों को यह संदेश दिया कि राष्ट्रहित से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक निशान एक विधान के प्रणेता जिन्होंने कटक से लेकर अटक तक कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना की थी। कौशिक ने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, त्याग और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान से परिचित कराना है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद् और प्रखर जननेता थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिलीप साहू ने और आभार जिला उपाध्यक्ष व कार्यक्रम जिला संयोजिका हर्षा चंद्राकर ने किया। कार्यक्रम में माया बेल चंदन, पदमा देवांगन, शिव चंद्राकर, शिवेंद्र परिहार, सरिता मिश्रा ,अशोक राठी, मंत्री गायत्री वर्मा, गिरेश साहू, शैलेंद्र शैंडे सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिटी स्पोर्ट्स

सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल में दुर्ग, बालोद और राजनांदगांव टीम अव्वल

दुर्ग। संभागीय क्रीड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को सुराना कॉलेज खेल मैदान एवं साइंस कॉलेज खेल मैदान में संभाग स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें 15 वर्ष बालक प्रतियोगिता में प्रथम राजनांदगांव जिला, द्वितीय- दुर्ग जिला और तृतीय बालोद जिला टीम रही।17 वर्ष बालक प्रतियोगिता में प्रथम- दुर्ग जिला, द्वितीय- राजनांदगांव जिला और तृतीय-बालोद जिला, 17 वर्ष बालिका प्रतियोगिता में प्रथम-बालोद जिला, द्वितीय- दुर्ग जिला, तृतीय-खैरागढ़ जिला की टीम रही। प्रतियोगिता में प्रथम आने वाली टीमें 12 जुलाई से रायपुर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि डॉ के वी राव (संयुक्त संचालक शिक्षा, शिक्षा संभाग दुर्ग) और विशेष अतिथि कल्पना स्वामी (क्रीड़ा अधिकारी, शिक्षा संभाग दुर्ग) थे।

मिनीगोल्फ में उल्लेखनीय योगदान पर हेमंत सम्मानित

रायपुर। श्री दावड़ा यूनिवर्सिटी, नया रायपुर में आयोजित 11वीं मिनीगोल्फ राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पदक वितरण समारोह में पिथौरा के हेमंत खुटे को मिनीगोल्फ खेल के विकास, प्रचार-प्रसार तथा संगठनात्मक योगदान के लिए स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रदेश मंत्री अमित साहू ने प्रदान किया।

समारोह में एशियन मिनीगोल्फ फेडरेशन के सचिव एवं मिनीगोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव सूरजसिंह योतिकार, फेडरेशन ऑफ इंडिया की रेफरी बोर्ड के चेयरमैन श्रीराम धर्माधिकारी तथा मिनीगोल्फ एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष एस. के. साहू सहित अनेक खेल पदाधिकारी उपस्थित रहे। हेमंत खुटे वर्तमान में 11वीं मिनीगोल्फ राष्ट्रीय चैंपियनशिप की आयोजन समिति में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी रहे। इससे पूर्व वे प्रदेश टीम मैनेजर के रूप में राजस्थान के झुंझुनूं, महाराष्ट्र के नागपुर तथा गोवा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ टीम का सफल नेतृत्व कर चुके हैं।

उनके कुशल मार्गदर्शन एवं प्रभावी प्रबंधन में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण सहित अनेक पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। समारोह में उपस्थित खेल पदाधिकारियों ने उनके समर्पण, नेतृत्व क्षमता और खेल के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों से मिनीगोल्फ को नई पहचान मिली है तथा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

जिला स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप आज से

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ द्वारा स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित के सहयोग से 4 एवं 5 जुलाई को दो दिवसीय जिला स्तरीय अंडर 13 एवं 19 शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन स्वामी विवेकानंद भवन स्मृति नगर भिलाई में आयोजित किया गया है। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने स्पर्धा संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि अंडर 13 के दो बालक एवं दो बालिकाओं तथा अंडर 19 में 4 बालक एवं 4 बालिकाओं का चयन राज्य शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। ये चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य शतरंज चैंपियनशिप में दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। अंडर 13 में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं चौथे पांचवें एवं छठवें स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान किया जायेगा। अंडर 19 में प्रथम द्वितीय तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पांचवें एवं छठवें स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो के अलावा दोनों वर्गों में भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

राज्य चैम्पियनशिप में चयनित खिलाड़ियों का प्रवेश शुल्क संघ द्वारा वहन किया जाएगा। स्पर्धा में प्रवेश शुल्क पांच सौ रुपए एवं प्रवेश की अंतिम तिथि 2 जुलाई तक निर्धारित है। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं सहायक के रूप में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा होंगे।

पोर्शन कंट्रोल का चलन अपनाने में बुराई नहीं लेकिन एहतियात बरतें

पोर्शन कंट्रोल का मतलब नहीं है भूखे रहना, कुछ टिप्स अपनाकर आप कर सकते हैं भरपेट भोजन

पोर्शन कंट्रोल का अर्थ है, आप अपनी थाली में कितना भोजन परोस रहे हैं और एक बार में कितना खा रहे हैं, इस पर नियंत्रण रखना। यह वजन घटाने और स्वस्थ रहने की एक व्यावहारिक तकनीक है, जिसमें बिना किसी दबाव या कठोर प्रतिबंध के उचित मात्रा में भोजन करना शामिल है।

अक्सर यह देखने में आता है कि लोग पोर्शन कंट्रोल करने के चक्कर में अक्सर भूखे रह जाते हैं। जबकि अगर आप चाहें तो कुछ टिप्स अपनाकर पोर्शन कंट्रोल करते हुए भी भरपेट खा सकते हैं। अक्सर यह देखने में आता है कि लोग जब भी हेल्दी लाइफ की तरफ बढ़ते हैं तो ऐसे में सबसे पहले पोर्शन कण्ट्रोल करना शुरू करते हैं।

वे अपने हर निवाले को गिनना शुरू कर देते हैं और अपनी थाली में से खाना कम कर देते हैं। लेकिन इससे कहीं ना कहीं उन्हें पूरा दिन भूखे होने का अहसास होता है। साथ ही साथ, पेट भरे ना होने की वजह से उनका मूड ऑफ रहता है, शरीर में एनर्जी महसूस नहीं होती। यहां तक कि उन्हें तरह-तरह की फूड क्रेविंग भी होती है।

अमूमन लोगों का मानना होता है कि पोर्शन कंट्रोल का मतलब भूखा रहना या अपने फेवरेट खाने को छोड़ना होता है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है, बल्कि

इसका मतलब है कि आप बस थोड़ा समझदारी से खाना खाएं। आपको इस तरह से खाना सीखना चाहिए, जिससे आपका पेट भी भरा रहे, मन भी खुश रहे और हेल्थ गोल्स पर भी नेगेटिव असर ना पड़े। अगर आप भी अच्छा खाना चाहते है और उसका पेट भरकर आनंद लेना चाहते हैं तो कुछ टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन ऋतु पुरी कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रही है, जिन्हें फॉलो करके आप पोर्शन कंट्रोल करते हुए भरपेट खाना खा सकते हैं-

सबसे पहले सब्जियां खाएं

जब भी आप अपना खाना खाते हैं तो इस बात का खास ध्यान रखें कि सबसे पहले हमेशा सब्जियां या सलाद खाएं। दरअसल, सब्जियों में कम कैलोरी होती हैं, लेकिन फाइबर व विटामिन रिच होने की वजह से वह आपका पेट भर देती हैं। इससे आप खुद ब खुद कम खाते हैं, लेकिन आपको भूखे होने का अहसास नहीं होता है।पोर्शन कंट्रोल करने का यह एक बेहद ही प्रभावी तरीका है, जो आपको भूखा नहीं रहने देता।

हर मील में थोड़ा प्रोटीन जरूर लें

प्रोटीन सिर्फ आपकी मसल्स के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह आपके पेट को लंबे समय तक भरे होने का अहसास भी करवाता है। दरअसल, प्रोटीन को पचाने में टाइम लगता है, जिससे आपको जल्द भूख नहीं लगती। साथ ही साथ, इस तरहपोर्शन कंट्रोल करते हुए आपको खुद को भूखा रखने की जरूरत नहीं होती। हमेशा अपनी डाइट में पनीर, अंडा, दाल, दही, टोफू या चिकन आदि को जरूर शामिल करना चाहिए।

कई बार यह देखने में आता है कि लोग जब भूखे होते हैं तो ऐसे में एकदम बहुत ज्यादा खा लेते हैं और पोर्शन कंट्रोलकरने के चक्कर में उन्हें भूखा रहना पड़ता है। लेकिन क्या आपको पता है कि लोग कई बार प्यास को

भूख समझ लेते हैं। इसलिए, खाने से पहले पानी पीने की आदत डालें। एक गिलास पानी पेट में जगह भर देता है, जिससे आपपोर्शन कंट्रोल करते हुए भी पेट भरे होने का अहसास करेंगे।

मील टाइम करें फिक्स

यह एक छोटा सा टिप है, लेकिन आपके बेहद काम आ सकता है। कई बारपोर्शन कंट्रोल करने के लिए लोग मील स्किप करना शुरू कर देते हैं। लेकिन इससे ना केवल बाद में बहुत तेज भूख लगती है, बल्कि मेटाबॉलिज्म भी स्लो होता है। वहीं, तय समय पर खाना खाने से हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने में मदद मिलती है। आपको यह समझ आने लगता है कि आपको कब वास्तव में खाना चाहिए और कब आप सिर्फ बोर होने पर कुछ खाना चाहते हैं। इस तरह आपको बेवजह भूखा नहीं रहना पड़ता।

फिटनेस से लेकर स्किन केयर तक बढ़ती उम्र में बेस्ट है ये मॉर्निंग रूटीन

क्या आपकी उम्र 30 होने जा रही है? अगर हां, तो अभी से ही सेहत का ख्याल रखना शुरू कर दीजिए। आपको कुछ ऐसे मॉर्निंग रूटीन के बारे में जानना चाहिए, जिससे आपको लंबे वक्त तक जवां रहने में मदद मिलेगी।

जैसे जैसे उम्र बढ़ती है, वैसे वैसे हेल्थ डाउन होने लगता है। खासकर महिलाओं के साथ ऐसा होना आम है।जैसे ही आप 30 की उम्र पार करती हैं आपको अपने शरीर और सेहत पर थोड़ा और ध्यान देना चाहिए। इस उम्र में हार्मोनल बदलाव , मेटाबॉलिज्म का धीमा होना, स्किन और बालों से जुड़ी समस्याएं आम हो जाती हैं। अगर आप भी 30 पार करने वाली हैं, तो आपको एक्सपर्ट के बताए कुछ खास मॉर्निंग रूटीन पर अमल करना चाहिए, जिससे आपको फायदा होगा। इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट आइना सिंघल ने जानकारी साझा की है। 30+ महिलाओं के लिए ये मॉर्निंग रूटीन बेस्ट है।

सौंफ की चाय

सुबह सवेरे आपको सौंफ की चाय पीनी चाहिए। इससे हार्मोन बैलेंस रहता है। एसिडिटी और ब्लोटिंग से राहत मिलती है। मेटाबॉलिज्म तेज होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है।

सब्जा सीड्स और कलौंजी

एक चम्मच सब्जा सीड को कलौंजी के साथ मिलकर रात भर भिगो कर रख दें। सुबह इसको छान कर पिएं। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। एसिडिटी शांत होता है और भूख कंट्रोल होता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

अंजीर और मुनक्का

रात में दो अंजीर और चार मुनक्का पानी में भिगो दें। सुबह सबसे पहले इसका सेवन करें इसे कब्ज से राहत मिलती है। शरीर में आयरन और ऊर्जा बढ़ता है। हार्मोन बैलेंस को सपोर्ट करता है।

सोक्ड बादाम

रात में काम से कम 5 या 6 बादाम को पानी में भिगो दें। सुबह उठकर छिलका हटाकर बादाम का सेवन करें। इससे पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है। याददाश्त तेज होता है। स्किन और बालों को हेल्दी और ग्लोइंग बनाता है।

उठो और फुर्ती पाओ

हर सुबह एक ही समय पर दिन की शुरुआत करना आपके समग्र स्वास्थ्य और उत्पादकता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। सुबह 5:30 या 6:00 बजे के आसपास जल्दी उठने का लक्ष्य रखें, ताकि खुद को आने वाले दिन के लिए तैयार होने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। लगातार जागने का समय आपकी आंतरिक घड़ी को नियंत्रित करता है, नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है। एक नियमित जागने का समय आपके जीवन में अनुशासन और संरचना की भावना भी पैदा करता है। जब आप हर दिन एक ही समय पर उठते हैं, तो आपका शरीर दिनचर्या का आदी हो जाता है, जिससे बिना सुस्ती या जल्दबाजी महसूस किए अपना दिन शुरू करना आसान हो जाता है। यह निरंतरता एक सकारात्मक मानसिकता स्थापित करने में मदद करती है और यह सुनिश्चित करती है कि आपके पास अपने शरीर और आत्मा को पोषण देने वाली गतिविधियों में शामिल होने के लिए पर्याप्त समय है।

एलआईसी मध्य क्षेत्रीय टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता आज से

रायपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मंडल की ओर से 58वीं मध्य क्षेत्रीय टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 4 और 5 जुलाई को स्प्रे शाला टेबल टेनिस हॉल एवं बैडमिंटन हॉल, रायपुर में किया जा रहा है।

भारतीय जीवन बीमा निगम, मंडल खेल समन्वयन समिति, रायपुर के सचिव एवं आयोजन सचिव संध्या राज ने बताया कि सम्पूर्ण मध्य क्षेत्र (छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश) के 08 मंडल कार्यालय-रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, शहडोल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर एवं सतना के महिला एवं पुरुष विजेता खिलाड़ी भाग लेंगे जिसमें कुल 26 खिलाड़ी शिरकत करेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन 04 जुलाई को सुबह 10 बजे मुख्य अतिथि भारतीय जीवन बीमा निगम, मध्य क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के प्रादेशिक प्रबंधक (पेंशन एवं समूह बीमा) एम.सी. कौशिक करेंगे। विशिष्ट अतिथि प्रादेशिक प्रबंधक (एच.आर.डी.) एम. कविराज होंगे। अध्यक्षता रायपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक संजीव कुमार मालवी करेंगे। इस अवसर पर विशेष रूप से रायपुर मंडल के विपणन प्रबंधक रविन्द्र कुमार पटेल, सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्प्लाइज एसोसिएशन के सहसचिव व्ही. एस. बघेल, सेन्ट्रल जोन प्रथम श्रेणी अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष एच.के. गड़पाल, प्रतियोगिता के

■ जुटेंगे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के धुरंधर खिलाड़ी, तैयारियां पूरी

संयोजक प्रबंधक (कार्मिक) अमित कुमार श्रीवास्तव एवं संजय कुमार साहा, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड,सदस्य रायपुर के शशांक शेखर शर्मा, रायपुर डिवीजन इंश्योरेंस एम्पलाइज यूनियन के अध्यक्ष राजेश पराते एवं महासचिव गजेंद्र पटेल, रायपुर डिवीजन प्रथम श्रेणी अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष धनंजय पांडे एवं सचिव आशीष शर्मा उपस्थित रहेंगे।

औपचारिक उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद मैच शुरू कर दिए जायेंगे। इस 2 दिवसीय प्रतियोगिता की सफलता हेतु रायपुर मंडल द्वारा तैयारियाँ की जा रही है। अतिथि प्रतिभागियों के आवास, यातायात, चिकित्सा व भोजन आदि सभी तैयारिया पूर्ण कर ली गई है। खिलाड़ियों के सम्मान में 5 जुलाई को रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखा गया है।

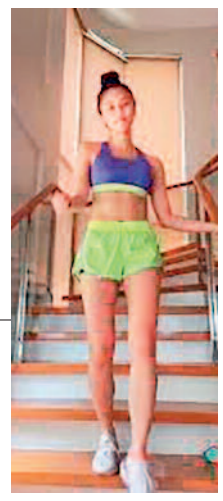

प्रतियोगिता में रायपुर मंडल से टेबल टेनिस में पुरुष वर्ग में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कई बार के पूर्व अखिल भारतीय जीवन बीमा निगम विजेता विनय बैसवाड़े (सीधी पात्रता प्राप्त), केशव खंडेलवाल (मंडल विजेता) एवं महिला वर्ग में साक्षी धनविजय (मंडल विजेता) तथा बैडमिंटन में पुरुष वर्ग में जुगल संजीव पटेल (मंडल विजेता) एवं महिला वर्ग में जिशा टिग्गा (मंडल विजेता) रायपुर मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चातुर्मास में मांगलिक कार्य करने पर जानें ज्योतिष की राय

हिन्दू पंचांग का चौथा महीना, आषाढ़ मास 30 जून 2026 से शुरू होकर 29 जुलाई 2026 तक रहेगा। यह मास भगवान विष्णु की उपासना, वर्षा ऋतु के आगमन और आध्यात्मिक साधना के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस दौरान व्रत और पूजा-पाठ करने से व्यक्ति का भाग्योदय हो सकता है और व्यक्ति की सभी परेशानियां दूर हो सकती है। चातुर्मास उस माह को कहा जाता है, जिसमें 4 महीनों के लिए सभी शुभ कामों पर रोक लगा दी जाती है। इस दौरान यहां तक की नए कपड़े खरीदने की भी मनाही होती है। अब ऐसे में सवाल है कि चातुर्मास में मांगलिक कार्य क्यों नहीं किए जाते हैं। इसका क्या कारण है। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी विस्तार से बता रहे हैं।

चातुर्मास में मांगलिक कार्य क्यों है वर्जित?

चातुर्मास का समय बेहद पवित्र माना जाता है। यह चार महीनों की अवधि होती है जो देवशयनी एकादशी से शुरू होकर देवउठनी एकादशी तक चलती है। इस समय में देवी-देवताओं का आशीर्वाद पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हो पाता, जिससे मांगलिक कार्यों में विघ्न आने की आशंका रहती है। चातुर्मास में जहां भगवान विष्णु शयन करते हैं, वहीं भगवान शिव और माता पार्वती सृष्टि का कार्यभार संभालते हैं। इस दौरान भगवान शिव का विशेष पूजन किया जाता है। भगवान विष्णु को ग्रहों का अधिपति माना गया है। जब वे विश्राम करते हैं, तो ग्रहों की सकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। यही कारण है कि इस दौरान कोई भी नया मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, या बड़े निवेश की शुरुआत करना शुभ नहीं माना जाता है।

कार्नर न्यूज

सावधानी जरूर बरतें और रहें अपने बच्चों के संपर्क में

अपने बच्चों को पहली बार हॉस्टल भेज रहे हैं तो कर ले कुछ जरूरी तैयारियां, तनावमुक्त बीतेंगे दिन

यदि आपका बच्चा पहली बार हॉस्टल में रहने जा रहा है, तो उसे केवल जरूरी सामान ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, समय प्रबंधन, सुरक्षा, स्वास्थ्य, पैसे का सही उपयोग और भावनात्मक रूप से नए माहौल के लिए भी तैयार करना जरूरी है। पहले से की गई सही तैयारी बच्चे के लिए हॉस्टल जीवन को अधिक सहज और सकारात्मक बना सकती है।

गर्मियों की छुट्टियों के बाद स्कूल-कॉलेज पुनः खुल गए हैं। ऐसे में कई छात्र अपनी आगे की पढ़ाई के लिए स्कूल से कॉलेज या किसी नए शहर में पढ़ाई के लिए जाने को तैयार हैं। माता-पिता अच्छी शिक्षा के लिए बच्चे को घर से दूर हॉस्टल भी भेज देत हैं। जब बच्चा पहली बार घर छोड़कर हॉस्टल में जाता है तो माता-पिता के मन में सुरक्षा, खानपान, पढ़ाई, नई दोस्ती और बच्चे की दिनचर्या को लेकर कई सवाल होते हैं। वहीं बच्चे के लिए भी यह एक बिल्कुल नया अनुभव होता है, जहां उसे घर की सुविधाओं से दूर रहकर खुद अपनी जिम्मेदारियां संभालनी होती हैं।

हॉस्टल जीवन केवल पढ़ाई का नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का भी

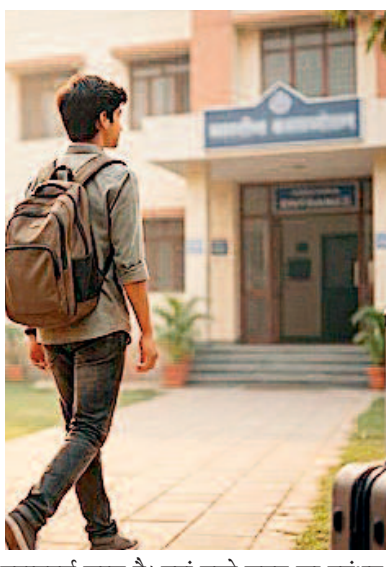

महत्वपूर्ण चरण है। यहां बच्चे समय का प्रबंधन करना सीखते हैं, नए लोगों के साथ रहना समझते हैं और छोटे-छोटे फैसले खुद लेना शुरू करते हैं। हालांकि शुरुआत के कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

घर की याद आना, नई दिनचर्या अपनाना और अलग माहौल में खुद को ढालना स्वाभाविक है। ऐसे में यदि माता-पिता पहले से सही तैयारी करें और बच्चे को व्यावहारिक व भावनात्मक दोनों तरह से तैयार करें, तो यह बदलाव काफी आसान हो सकता है। यहां जानिए उन जरूरी बातों के बारे में, जिन पर ध्यान देकर आप अपने बच्चे के हॉस्टल जीवन की शुरुआत को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और आत्मविश्वास से भरपूर बना सकते हैं।

बच्चे को मानसिक रूप से तैयार करें

हॉस्टल में रहने का सबसे बड़ा बदलाव भावनात्मक होता है। इसलिए बच्चे को मानसिक तौर पर तैयार करें। इसके लिए नए माहौल के बारे में खुलकर बात करें। घर की याद आना सामान्य है, यह समझाएं। छोटी-छोटी समस्याएं खुद हल करने के लिए प्रेरित करें। आत्मविश्वास बढ़ाएं, डर नहीं।

जरूरी सामान की स्मार्ट पैकिंग करें

कम सामान लेकिन उपयोगी सामान ले जाना बेहतर होता है। हॉस्टल चेकलिस्ट के मुताबिक पैकिंग करें। कपड़े और अतिरिक्त कपड़े। टॉयलेटरीज। तौलिया और चप्पल। यदि आवश्यक हो तो बेडशीट और तकिए का कवर। यदि अनुमति हो तो स्टडी लैंप। नोटबुक और स्टेशनरी।पानी की बोतल। ताला और अतिरिक्त चाबी। छाता या रेनकोट।यदि हॉस्टल नियम अनुमति दें तो मोबाइल चार्जर और एक्सटेंशन बोर्ड। घर से दूर रहने पर स्वास्थ्य का ध्यान खुद रखना सीखना जरूरी है। बच्चे को बताएं,समय पर भोजन करें। पर्याप्त पानी पिएं। नींद पूरी लें। व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखें। छोटी मेडिकल किट साथ रखें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

डाउनी जूनियर ने 'अवेंजर्स डूम्सडे'को लेकर कहा- उम्मीदों पर खरी उतरेगी फिल्म

आने वाली फिल्म 'अवेंजर्स डूम्सडे' का फैंस में काफी क्रेज है। इस बीच हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डाउनी ने फिल्म को लेकर बड़ा बयान दिया है।

रॉबर्ट डाउनी जूनियर, जो पहले टोनी स्टार्क यानी आयरन मैन का किरदार निभा चुके हैं, इस बार इस फिल्म में विलेन डॉक्टर डूम के रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म दिसंबर में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डाउनी जूनियर ने कहा है कि आने वाली मार्वल फिल्म 'अवेंजर्स डूम्सडे' फैंस की उम्मीदों पर खरी उतरेगी और 'अवेंजर्सः एंडगेम' के बाद दर्शकों को निराश नहीं करेगी। एक इंटरव्यू में, जो उन्होंने फिल्म के को-डायरेक्टर जो रूसो के साथ दिया, रॉबर्ट ने कहा कि फिल्म को बहुत सोच-समझकर बनाया गया है ताकि एवेंजर्सः इन्फिनिटी वार और 'अवेंजर्सः एंडगेम' जैसी बड़ी फिल्मों के बाद भी यह दर्शकों को पसंद आए।

उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ मेरी परफॉर्मेंस की बात नहीं है, बल्कि फिल्म की कहानी और बाकी किरदारों को जिस तरह से बनाया गया है, वह दर्शकों को पसंद आएगा।' उन्होंने आगे कहा, ''अवेंजर्स डूम्सडे' में कुछ ऐसा है जो इस सवाल का जवाब देता है कि इतनी बड़ी फिल्मों के बाद भी नई फिल्म निराशाजनक कैसे न लगे। हमने इस पर बहुत मेहनत की है।' डायरेक्टर जो रूसो ने कहा कि 'अवेंजर्स डूम्सडे' में कई सरप्राइज देखने को मिलेंगे और यह अब तक की सबसे ज्यादा इमोशनल और मैच्योर फिल्म होगी। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म भावनाओं के लिहाज से काफी गहरी है और बाकी फिल्मों के मुकाबले ज्यादा मैच्योर है।'

टॉलीवुड

वेंकटेश की फिल्म 'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47' की रिलीज डेट आई सामने

साउथ के सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती और अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। उनकी आने वाली फिल्म 'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबरः 47' (एके 47) की रिलीज डेट का एलान हो गया है। वेंकटेश के फैंस के लिए खुशखबरी है कि यह फिल्म इस साल ही रिलीज होगी।

निर्माताओं ने वेंकटेश दग्गुबाती की नई फिल्म 'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47' का नया पोस्टर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज की घोषणा करते हुए लिखा, 'एक ऐसी तारीख जिसे हर परिवार याद रखेगा। 'आदर्श कुटुंबम' के दरवाजे दुनिया भर में 2 अक्तूबर को खुलेंगे।'

'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47' में एक शानदार जोड़ी देखने को मिलेगी। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास कर रहे हैं। इस फिल्म में वेंकटेश और त्रिविक्रम की जोड़ी लंबे समय बाद वापसी कर रही है। यह एक एक्शन, कॉमेडी और थ्रिलर फिल्म होगी। इस प्रोजेक्ट की घोषणा साल 2025 में की गई थी और तभी से फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वेंकटेश दग्गुबाती इन दिनों एक और बड़ी फिल्म 'वेंकीअनिल5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। निर्देशक अनिल रविपुडी के साथ उनकी आने वाली फिल्म, जिसका अस्थायी नाम 'वेंकीअनिल5' है। इसकी शूटिंग 18 जून से हैदराबाद में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में उनके साथ नंदमुरी कल्याण राम, कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वेंकटेश को हाल ही में फिल्म 'माना शंकरवाराप्रसाद गारू' में देखा गया था, जो बॉक्स-ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इस फिल्म में उनके साथ नयनतारा और चिरंजीवी जैसे बड़े सितारे भी शामिल थे।

भोजपुरी

'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' का बीटीएस वीडियो

रानी चटर्जी ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' का परदे के पीछे (बीटीएस) वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म का मजेदार गाना 'मेहरी आई रोब चलाई' गाना भी लगाया है।

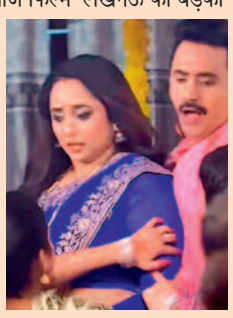

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' के दिनों को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर बीटीएस वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे अपने साथी कलाकार प्रशांत सिंह के साथ दिखाई दे रही हैं। उन्होंने इस वीडियो के बैकग्राउंड में 'मेहरी आई रोब चलाई' गाना भी लगाया है।

रानी चटर्जी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'फिल्म तो पसंद आई, आप सभी अब इसकी शूट कैसे हुई, ये भी देख लीजिए। रानी चटर्जी के साथ प्रशांत सिंह। फिल्म के बीटीएस सीन।' 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' के निर्देशक मंजुल ठाकुर हैं, जबकि फिल्म के निर्माता संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर हैं। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। इसमें रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी हैं। इस फिल्म में रानी उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं, जबकि संजना बिहार की रहने वाली हैं। यह कहानी एक ही घर में रहने वाली दो अलग-अलग राज्यों की बहू के बीच होने वाली छोटी-छोटी नोकझोंक और प्यार भरे झगड़ों पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक तरफ लखनऊ की शानोशौकत वाली यूपी की लड़की और दूसरी तरफ अपनी सादगी और परंपराओं को मानने वाली बिहार की लड़की के बीच मजेदार मुकाबले होते हैं।

एफिल टॉवर पर जलवा

पेरिस के एफिल टॉवर पर फ़ैशन फ़ोटोशूट एक सदाबहार ट्रेंड है। यहां बिर हाकिम ब्रिज (पोंट) पर ग्लैमरस लाल ड्रेस और लंबे इवनिंग गाउन में सोलो पोर्ट्रेट देती मॉडल फैशन की दुनिया में छा गई है। दरअसल, डिजाइनर भी जानते हैं कि पेरिस में एफिल टॉवर के न्यूट्रल स्टील आर्किटेक्चरल बैकग्राउंड के सामने लाल रंग के फ़ैशन लुक एक शानदार और हाई-कॉन्ट्रास्ट लुक देते हैं। स्टाइलिंग का यह क्लासिक तरीका एक सदाबहार और ड्रमैटिक विज़ुअल बनाता है, जिसे एडिटोरियल फ़ोटोग्राफ़ी, हाई-फ़ैशन फ़ोटोशूट और पेरिस फ़ैशन वीक के दौरान स्ट्रीट-स्टाइल इंस्पिरेशन के लिए बहुत पसंद किया जाता है।

-

हर बॉडी टाइप के लिए परफेक्ट हैं सूट के नेकलाइन डिजाइंस

कुछ नेकलाइन डिजाइन ऐसे होते हैं जो कि हर तरह की पर्सनालिटी पर जंचते हैं, तो आपको सलवार-सूट की कुछ ऐसे ही नेकलाइन पर नजर डालनी चाहिए, जो कि हमेशा ट्रेंड में रहते हैं। साथ ही, आपके ऊपर कौन-सा नेकलाइन डिजाइन बेस्ट रहेगा इसके बारे में भी बताएंगे। आजकल महिलाएं साड़ी से ज्यादा सलवार-सूट पहनना पसंद कर रही हैं। साड़ी की तुलना में सूट पहनना ज्यादा आरामदायक और सुविधाजनक होता है।ऐसे में आज सलवार-सूट लडकियों से लेकर महिलाओं हर किसी की पहली पसंद बन गया है।आजकल बाजारों में रेडीमेड सूट खूब बिक रहे हैं। इनमें आपको कई तरह के कलर, पैटर्न और फैब्रिक मिल जाएंगे, लेकिन फिर भी कुछ महिलाएं अपनी पसंद के अनुसार टेलर के पास जाकर सूट सिलवाती हैं ताकि अपने चोइस के हिसाब से बाजू और नेकलाइन का डिज़ाइन बनवाया जाए।

ऐसे में नेकलाइन जब तक किसी भी ऑउटफिट की अट्रैक्टिव नहीं होती है। तब तक लुक परफेक्ट नजर नही आता है। इनमें से कुछ नेकलाइन ऐसी भी होती हैं, जो कि हमेशा ट्रेंड में रहती हैं और हर तरह कीपर्सनालिटी पर खूबसूरत लुक देती हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ ऐसे ही नेकलाइन के फॉरएवरडिजाइंस दिखाने जा रहे हैं, जो कि हर तरह की बॉडी टाइप वाली लड़कियों पर जचेंगे। साथ ही, आपको यह भी बताएंगे कि आपके लिए कौन-सा नेकलाइन डिजाइन बेस्ट है।

राउंड नेकलाइन डिजाइन

राउंड या गोल गले का आकार हमेशा से लड़कियों और महिलाओं की पसंद रहा है। यह डिजाइन काफी एलिगेंट लुक देता है। राउंड नेक डिजाइन देखने में भले ही सिंपल लगता है, लेकिन कैरी करने के बाद यह आपके लुक को ग्रेसफुल बना देता है। सूट के अलावा यह डिजाइन ब्लाउज में भी काफी पसंद किया जाता है। राउंड नेकलाइन ऑवरग्लास फिगर वाली लड़कियों पर काफी जंचती हैं।

मानसून में नहीं हो पा रहा है वैक्स तो इन टिप्स की लें मदद

अगर आप भी वैक्स करने में प्रॉब्लम फेस कर रही है, तो यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसी आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप आसानी से वैक्स कर सकती हैं।

वैक्स के पहले बॉडी पर लगाए पाउडर

बरसात के मौसम में वैक्स आसानी से नहीं हो पता है।ऐसे में अधिकतर महिलाएं परेशान हो जाती है, लेकिन अब आप वैक्स करने से पहले अपनी बॉडी को अच्छी तरह साबुन लगाकर पानी से धो लें, फिर शरीर को सूखा लें। जब आपके हाथ और पैर सुख जाए, तब आप पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। अच्छी तरह पाउडर लगाने के बाद अगर आप वैक्स करेंगी, तो शायद परेशानी कम हो सकती है।

हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल

अगर आप मानसून के महीने में वैक्स नहीं कर पा रही है और इससे आपके अनचाहे बाल नहीं निकल पा रहे हैं, तो अब आप हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस तरह का क्रीम आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएगा। आप उसके पीछे लिखे इंस्ट्रक्शन को फॉलो कर क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आप बिना किसी परेशानी के आसानी से अनचाहे बालों को रिमूव कर सकती हैं।

ठंडी जगह का करें चयन

जब भी आप वैक्स करें, तो ध्यान रखें की पसीने की वजह से वैक्स करने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में वैक्स करने से पहले आप ठंडी जगह का चयन जरूर करें। आप अपने कमरे में ऐसी ऑन कर कमरे का टेंपरेचर ठंडा

किसी भी आउटफिट के साथ शामिल करें खास फुटवियर

अगर आप भी सावन के महीने में अपने लुक को डिफरेंट और यूनिक बनाना चाहती हैं, तो अब आप अपने किसी भी आउटफिट के साथ इन खूबसूरत फुटवियर को शामिल कर सकती हैं। सावन के महीने में अगर आप भी अपने लुक को डिफरेंट और यूनिक पाना चाहती हैं, तो अब आप अपने किसी भी आउटफिट के साथ इन खूबसूरत फुटवियर को शामिल कर सकती हैं। ऐसे फुटवियर न सिर्फ आपके पैरों की खूबसूरती को बढ़ाएंगे, बल्कि आपको एलिगेंट टच देने में भी बहुत मदद करेंगे।

कैजुअल स्लिप फुटवियर

कुछ दिनों में सावन का महीना शुरू होने वाला है और इस महीने में अधिकतर महिलाएं शिवालय जाकर भगवान शिव की पूजा आराधना करती हैं। अगर आप भी इस दौरान अपने लुक को डिफरेंट बनाना चाहती हैं, तो अपने एथनिक आउटफिट के साथ इस खूबसूरत कैजुअल स्लिप फुटवियर को शामिल कर सकती हैं।

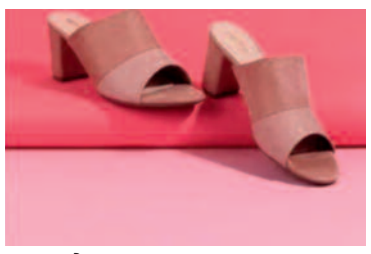

ग्रीन कैजुअल स्लीपर फुटवियर

अगर आप सावन के महीने में साड़ी पहनने वाली है, तो अपने साड़ी लुक को डिफरेंट और गॉर्जियस बनाने के लिए आप साड़ी के साथ इस खूबसूरत ग्रीन कैजुअल स्लीपर फुटवियर को शामिल कर सकती हैं।

ब्लू एथनिक स्लिप फुटवियर

सावन के महीने में अगर आप साड़ी, ट्रेडिशनल या एथनिक आउटफिट पहनने का सोच रही है, तो किसी भी आउटफिट के साथ आप ब्लू एथनिक स्लिप फुटवियर को शामिल कर सकती हैं।

ग्लिसरीन के साथ इसे मिलाने से फटी एड़ियां होंगी कोमल

बार-बार पैर पानी में पड़ने के कारण या हवा की नमी के कारण त्वचा बेजान हो जाती है। इसके कारण एड़ियां फटने लगती हैं। जरूरी नहीं कि एड़ी सिर्फ सर्दियों में फटने लगे, ये मानसून में भी फट सकती हैं। धूल-मिट्टी के कारण त्वचा का ड्राई होना आम बात है। हो सकता है कि आपको फटी एड़ियों से ज्यादा दिक्कत न हो, लेकिन एक समय बाद यह समस्या गंभीर हो सकती हैं। बाजार में फटी एड़ियों को ठीक करने के दावे वाली कई क्रीम आपको मिल सकती हैं, लेकिन वो हर बार काम करें ऐसा जरूरी नहीं है। मेरे पास आपकी फटी एड़ियों के लिए एक कारगार उपाय है। जी हां, आप बस दो चीजों को मिलाकर अपने पैरों को कोमल बनाने में कामयाब हो सकती हैं। आपको बस ग्लिसरीन और वैक्स की जरूरत होगी। इन चीजों को मिलाकर लगाने से त्वचा मॉइश्चराइज होगी और फटी एड़ियों को आराम मिलेगा।

क्या है फटी एड़ियों को ठीक करने का आसान से नुस्खा?

पैरों को सॉफ्ट बनाने के लिए जिस नुस्खे की मैं बात कर रही हूं, वो ग्लिसरीन और मोम का नुस्खा है। ये दोनों ही इंग्रीडिएंट्स अपने मॉइश्चरजिंग गुणों के लिए जाने जाते हैं। जब इन्हें एक साथ मिलाया जाता है, तो ये रूखी त्वचा के लिए एक शक्तिशाली उपचार बन जाते हैं। ग्लिसरीन एक हमक्टेंट है, यह नमी को त्वचा में सील कर देता है, जिससे त्वचा हाइड्रेटेड और मुलायम रहती है। दूसरी ओर, पैराफिन मोम त्वचा पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाती है, जो नमी को बाहर निकलने से रोकती है और एड़ियों को मॉइश्चराइज करती है। इससे ड्राई त्वचा को गहराई से पोषण मिलता है। एड़ी की दरारें भरने लगती हैं और एड़ियां धीरे-धीरे कोमल हो जाती हैं।

कार्नर न्यूज

बालों को लेकर भले ही समस्या एक सी हो लेकिन उपाय होंगे अलग

पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग हैं हेयर केयर, इसलिए देखभाल करने का अंदाज भी जुदा

हम सभी जीवन भर यही सुनते हुए बड़े हुए हैं और कभी-कभी हमें एहसास होता है कि ये कितना सच है। पुरुषों और महिलाओं को अलग तरह से बनाया गया है और यह स्वाभाविक है कि हमारे सिस्टम भी अलग तरह से बनाए गए हैं। जबकि पुरुष और महिला दोनों अपने जीवन के किसी न किसी समय में बालों के झड़ने का अनुभव करते हैं, पुरुष महिलाओं की तुलना में कहीं पहले गंजे होने लगते हैं। यहां कुछ कारण बताए गए हैं कि पुरुषों और महिलाओं दोनों में ऐसा अलग-अलग क्यों होता है।

जेनेटिक परिस्थितियों के कारण एंड्रोजेनिक एलोपेशिया, जिसे पैटर्न बाल्डनेस भी कहा जाता है, पुरुषों में बालों के झड़ने का सबसे आम कारण है। 50 वर्ष से अधिक आयु के 50% से अधिक पुरुष एमपीबी या मेल पैटर्न बाल्डनेस से प्रभावित होते हैं, जबकि केवल 30% महिलाओं को इस समस्या का सामना करना पड़ता है, ज्यादातर जब वे अपने 70 की उम्र के दशक तक पहुंचती हैं। हालांकि, ये एक आनुवंशिक स्थिति है और इसे आसानी से उलटा नहीं जा सकता है।

हार्मोन

जब हमारे बालों के स्वास्थ्य की बात आती है तो मेल हार्मोन, टेस्टोस्टेरोन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टेस्टोस्टेरोन में डायहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन या डीएचटी नामक एक बाय-प्रोडक्ट होता है जो महत्वपूर्ण है लेकिन ये बालों के रोम में रक्त की आपूर्ति को भी रोकता है। महिलाओं के विपरीत, पुरुष इस हार्मोन का उत्पादन अपनी पूरी जिंदगी करते रहते हैं। महिलाओं को भी बालों की कई समस्याओं का अनुभव होता है जो पुरुषों से अलग होती हैं। महिलाओं में हेयर फॉल को बढ़ाने वाले कुछ फैक्टर्स में हार्मोनल परिवर्तन शामिल हैं, खासकर गर्भावस्था या रजोनिवृत्ति के दौरान, और तनाव भी एक बड़ा फैक्टर है।

हालांकि, पुरुषों में बालों के झड़ने की जटिलता महिलाओं की तुलना में बहुत अधिक होती है।पुरुषों और महिलाओं के लिए हेयर फॉलिकल डेंसिटी या एचएफडी अलग होती है

ये पुरुषों में काफी कम होती है। इसका मतलब है कि महिलाओं के स्कैल्प में बालों के रोम की संख्या प्रति सेंटीमीटर अधिक होती है जो बालों की हेल्दी ग्रोथ को स्टिम्युलेट करती है और बालों के झड़ने को रोकती है।यही कारण है कि पुरुषों के बाल झड़ते हैं, जबकि महिलाओं

को पतले होने का अनुभव होता है। समस्या चाहे कैसी भी हो, समाधान हमेशा होता है। तो, बालों के झड़ने को रोकने के लिए आप क्या कर सकते हैं? यहां कुछ सरल चीजें हैं जो काम आ सकती हैं!

अपने बालों को हफ्ते में 3-4 बार किसी जेंटल शैम्पू से धोने से आपके स्कैल्प को साफ रखने में मदद मिलती है। पसीना, धूल और जमी हुई अशुद्धियां रोम छिद्रों को बंद कर सकती है, जो बालों के झड़ने का कारण बन सकती है।

अपने बालों में नियमित रूप से तेल लगाएं। तेल लगाने से बालों का रूखापन कम होता है और सिर की त्वचा हाइड्रेट होती है। यह आपके बालों के रोम की रक्षा करता है और स्वस्थ बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देता है। अपने गीले बालों को कभी भी ब्रश न करें। गीले होने पर आपके बाल सबसे कमजोर होते हैं और आसानी से टूट जाते हैं।

हर 15 दिनों में एक बार बालों की मालिश करने से रक्त प्रवाह बढ़ता है और बदले में बालों की ग्रोथ को बढ़ावा मिलता है। अपने बालों पर बहुत अधिक केमिकल्स के प्रयोग से बचें। केमिकल्स का उपयोग बालों को नुकसान पहुंचाता है और समय के साथ बाल झड़ने का कारण बनता है और इससे बचा जाना चाहिए।